

# जनवरी 2024, अंक - 13





पीआरएल में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

## निदेशक की कलम से



पीआरएल की गृह-पित्रका "विक्रम" एक जीवंत रचना है जो कार्यालय की प्रत्येक गितविधि को सशब्द दर्पण की तरह पाठकों के समक्ष रखती है। राजभाषा हिंदी के महत्व को दर्शाने के साथ कार्यालय के स्टाफ सदस्यों में रचनात्मकता को उभारने के लिए गृह-पित्रकाओं से अच्छा माध्यम नहीं हो सकता। हमारे सभी पिरसरों की नवीनतम गितविधियों का विक्रम पित्रका एक अभिलेख एवं सिचत्र प्रतिबिंब प्रस्तुत करती है। भारतीय संविधान के अंतर्गत हिंदी को देश की सामासिक संस्कृति के वाहक के रूप में स्वीकार किए जाने के कारण इसका स्वरूप व्यापक है। हिंदी की प्रकृति प्रारंभ से ही सार्वदेशिक रही है, तािक प्रशासन की भाषा कामकाजी और प्रयोजन मूलक होने के साथ-साथ सरल, सहज एवं सुबोध हो। समय के साथ हिंदी सरकारी कामकाज की ही नहीं, बिल्क जनसंपर्क और राष्ट्रीय संपर्क की भाषा के रूप में भी स्थापित हुई है।

हमारे कार्यालय की कार्यप्रकृति वैज्ञानिक एवं तकनीकी होने के फलस्वरूप हमारा प्रयास रहता है कि राजभाषा की प्रगति विज्ञान के कार्यों में भी झलके। अतः तकनीकी लेख लिखने के लिए स्टाफ सदस्यों को प्रोत्साहित किया जाता है एवं हिंदी तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। हमारे संस्थान के वैज्ञानिक दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर हिंदी भाषा के माध्यम से विद्यार्थियों को व्याख्यान देते हैं एवं वैज्ञानिक प्रयोग प्रदर्शित करते हैं।

हिंदी माह हमारे कार्यालय में राजभाषा उत्सव की भावना से मनाया जाता है एवं सकारात्मक पहलू यह है कि आयोजित कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं में सभी स्टाफ सदस्य बढ़-चढ़ कर भाग लेते हैं एवं हिंदी तथा हिंदीतर भाषी सभी को अवसर प्रदान किया जाता है। वर्ष 2023 के हिंदी माह के कार्यक्रम बहुत ही सुरुचिपूर्ण, विविध एवं सुनियोजित रहे। हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं कि हमारे कार्यालयों में कर्मचारियों को राजभाषा संबंधी नियमों तथा आदेशों की जानकारी तो मिले ही साथ ही सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग भी अधिकाधिक हो।

पीआरएल में नियमित रूप से वैज्ञानिक सम्मेलन आदि आयोजित किये जाते हैं, जिनमें प्रमुख हैं, छात्र फोटोनिक्स सम्मेलन, इसरो संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम, विभिन्न वैज्ञानिक कार्यशालाएं आदि। इन कार्यक्रमों के आयोजन में यथासंभव हिंदी/द्विभाषी में बैनर, नामपट्ट, मार्ग संकेतक एवं विभिन्न सत्रों एवं संभाषणों में हिंदी में चर्चा की जाती है।

पीआरएल की अद्वितीय व्याख्यान-माला "पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान" अत्यंत लाभप्रद व्याख्यानों की श्रृंखला है जिसकी उपस्थिति सोशल मीडिया में भी सुनिश्चित की गई है। देश-विदेश के विशेषज्ञ इस कार्यक्रम में अपने वक्तव्य राजभाषा में प्रस्तुत करते हैं।

पीआरएल ने इस बार विभिन्न कार्यालयों द्वारा किए जा रहे कार्यों, विचार एवं नवोन्मेषी अनुसंधान को राजभाषा में जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रथम गुजरात राज्य स्तरीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया एवं जिसमें सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, बैंकों आदि के नराकासों के माध्यम से लेख आमंत्रित किए गये। सर्वश्रेष्ठ लेखों को पीआरएल में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया। यह इस प्रकार का पहला प्रयास था एवं पीआरएल निरंतर दो वर्षों से राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

हमारी पत्रिका में स्टाफ के परिवार जनों का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। उनके नित्य नए सृजन और योगदान से यह पत्रिका समृद्ध होती है। परिवार जन पीआरएल के प्रत्येक कार्यकम में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं जिससे हमारा उत्साह बढ़ता है।

आशा है कि "विक्रम" पत्रिका का यह अंक आपको रुचिपूर्ण एवं लाभप्रद लगेगा। पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति और स्वर्णिम भविष्य के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

अतिन सार्डाण

अनिल भारद्वाज

## संदेश



#### प्रिय पाठक

हमारा कार्यालय, संविधान के अनुरूप राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में सतत् प्रयत्नशील है। केन्द्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों आदि को राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन का महती दायित्व सौंपा गया है जिसका वह सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

"हिंदी" भाषा भारतीय संस्कृति और हमारे देश के दर्शन एवं अध्यात्म को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, यही कारण है कि आज पूरा विश्व हिंदी में कार्य करने के लिए तत्पर है। हिंदी वास्तव में करोड़ों करोड़ की जनभाषा है, न केवल इस देश में बल्कि अन्य देशों में भी। यह घर-परिवार, खेत, खिलहान, बाजार, कारोबार, फिल्म, पत्रकारिता, साहित्य, यानि जीवन के विविध पहलुओं में जीवंत व गतिमान है। इसके बिना सामाजिक जीवन की कल्पना ही संभव नहीं है। यह भाषा न केवल मेरी वरन् असंख्य लोगों के हृदय, भाव, उद्गार की भाषा भी है। यह एक ऐसी धारा है जो हमें जोड़ती और समृद्ध करती है।

हमारा संविधान हिंदी को राजभाषा का दर्जा देता है और इसे भारतीय धरोहर के रूप में परिभाषित करता है। दरअसल हिंदी एक समुद्र है और इसमें अन्य भाषाओं व संस्कृतियों के तत्वों को ग्रहण कर अपना बनाने की अद्भुत क्षमता है। साथ ही साथ, हिंदी ने भी दूसरी भाषाओं और संस्कृतियों को दूर तक प्रभावित किया है।

एक बहुत बड़ी चुनौती राजभाषा हिंदी और जनभाषा हिंदी के बीच की खाई को पाटना है। इस दिशा में बहुत कुछ हुआ भी है और बहुत कुछ होना बाकी है। भाषा जो जन में चल रही है, वही शासन, प्रशासन में चलती है। मुख्य बात यह है कि हमें अपने आपको हिंदी का जीवंत सेवक समझना होगा और हिंदी के स्वाभिमान का प्रहरी बनना होगा। हमें राजभाषा हिंदी को मूल कार्यों की जननी के रूप में देखना होगा और अमल में लाना होगा। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि हिंदी भाषा के जानकार पूरे विश्व में मौजूद हैं, ऐसे में राजभाषा को विश्व भाषा बनने में गित प्राप्त हो रही है।

इस पत्रिका के माध्यम से हमारे सुधी पाठकों को इस दिशा में पीआरएल के प्रयासों की एक झलक मिलेगी।

हमारे स्टाफ सदस्य पूरे मन से हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मेरा विश्वास है कि विक्रम पत्रिका हिंदी के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाती रहेगी। पत्रिका के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनायें!

धन्यवाद।

प्रो. आर.डी. देशपांडे वरिष्ठ प्रोफेसर एवं रजिस्ट्रार, पीआरएल



## संपादकीय

सोम कुमार शर्मा

#### प्रिय पाठक गण

विक्रम पत्रिका के 13वें अंक के साथ एक बार पुनः आपके लिए किवताएं, लेख, ज्ञान-विज्ञान जैसी विविधता भरी रोचक लेखों का समग्र संभार प्रस्तुत है। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) की छमाही पत्रिका "विक्रम" की गौरवशाली विकास यात्रा जारी रखते हुए मैं पाठकों का आभार अभिव्यक्त करना चाहता हूं। इस पत्रिका के माध्यम से हिंदी प्रेमियों को अपनी सृजनात्मक एवं साहित्यिक प्रतिभा की अभिव्यक्ति का सुअवसर मिलता है। हिंदी के प्रचार-प्रसार से संबंधित कुछ उल्लेखनीय कार्य एवं पीआरएल परिवार जनों की कृतियाँ आप सभी के साथ साझा करना चाहता हूं।

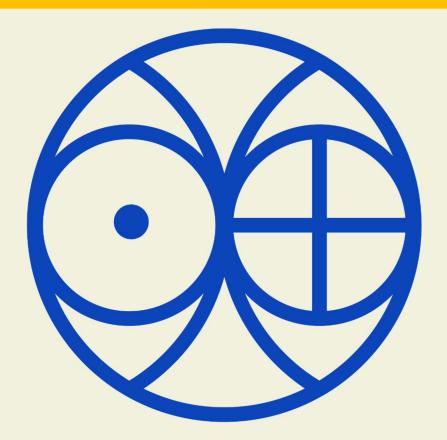
पूर्व अंकों के लिए जिस तरह सराहनाओं की स्रोत लगी थी, पाठकों ने इसे हृदय से अपनाया, उसी स्नेह से लेखक गण भी इसके साथ जुड़ने लगे हैं। हिंदी में रुचि रखने वाले वैज्ञानिक, अभियंता और अन्य कर्मचारी तथा परिवार के सदस्यगण केंद्र में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी सृजनशीलता का परिचय देते रहते हैं। इस पत्रिका के प्रकाशन से विविध विषयों पर रचनात्मक लेखों को प्रोत्साहन देने का एक प्रयास किया जाता है।

इसी प्रकार निरंतरता, सकारात्मकता व सफलता बरकरार रखने की आशा करते हुए हम आगामी अंकों में भी नवकलेवर से परिपूर्ण एवं अग्रत भावना से सज्जित लेखों को प्रस्तुत करने में प्रयासरत रहेंगे।

#### भवदीय

प्रो. सोम कुमार शर्मा (प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, विक्रम पत्रिका संपादन समिति)

## पीआरएल का प्रतीक चिह्न



पीआरएल के

अनुसंधान क्षेत्र में

समाविष्ट हैं

पृथ्वी एवं

सूर्य

जो निमीलित हैं

चुम्बकीय क्षेत्र एवं विकिरण में

अनंत से अनंत तक

जिन्हें प्रकट कर सकती है

मानव की जिज्ञासा एवं विचार शक्ति

PRL research

encompasses

the Earth

the Sun

immersed in the fields

and radiations

reaching from and to

infinity

all that man's curiosity

and intellect can reveal

## इस अंक में

क्रमांक	विषय सूची	लेखक	पेज संख्या
1	चंद्रयान-3 मिशन: एक सफल प्रयोग का अनुभव	ऋषितोष कुमार सिन्हा	1-5
2	पीआरएल के लिडार नेटवर्क के द्वारा भारत के पश्चिमी क्षेत्र में वायुमंडलीय बादलों का अध्ययन	धर्मेंद्र कुमार कामत	6-7
3	सौर भौतिकी कार्यशाला		8-10
4	पीआरएल क्रिकेट लीग - 2023	सौजन्य: आ. का. अ. म. समिति	11-13
5	संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति द्वारा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद का निरीक्षण	सौजन्य: रुमकी दत्ता	14
6	रस्साकशी	सौजन्य: आ. का. अ. म. समिति	15-16
7	विक्रम साराभाई जयंती		17
8	पीआरएल में स्वतंत्रता दिवस समारोह	सौजन्य: आ. का. अ. म. समिति	18-20
9	हिंदी तकनीकी संगोष्ठी रिपोर्ट - 2023	सौजन्य: रुमकी दत्ता	21-24
10	सीएनआईटी प्रभाग नुक्कड़ - एक्सप्लोरिंग पीआरएल वेबसाइट पर "चाय पे बाइट" कार्यक्रम (इसरो-एसटीपी 2023)	सौजन्य: जिगर रावल	25-26
11	उ.सौ.वे./पीआरएल, द्वारा आयोजित "हिन्दी पखवाड़ा"	सौजन्य: अभिषेक	27-28
12	"सूर्य-ग्रह अंतर्संबंध: एक अंतरिक्ष मौसम परिप्रेक्ष्य" पर इसरो संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम (इसरो-एसटीपी 2023)		29
13	ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स पर छात्र सम्मेलन (SCOP-2023 - 27-29 सितंबर, 2023)		30
14	उ.सौ.वे./पीआरएल, द्वारा नराकास, उदयपुर सदस्य कार्यालयों हेतु आयोजित "हमारा कार्य प्रतियोगिता"	सौजन्य: अभिषेक	31-35
15	हिंदी माह – एक सिंहावलोकन	सौजन्य: रुमकी दत्ता	36-40

16	अंतरिक्ष मौसम विज्ञान और अवसर पर कार्यशाला और दूसरा भारतीय अंतरिक्ष मौसम सम्मेलन (ISWC-2)		41-42
17	पीआरएल में गरबा उत्सव	सौजन्य: हर्षा परमार	43
18	राष्ट्रीय एकता दिवस पर यूनिटी/एकता रैली	सौजन्य: हर्षा परमार	44-45
19	"मेटियोरोइड्स, मेटियोर्स एंड मेटियोराइट्स: मेसेंजर्स फ्रॉम स्पेस" पर तीसरी संगोष्ठी		46
20	इंटर सेंटर स्पोर्ट्स मीट (आईसीएसएम), हैदराबाद	सौजन्य: प्रदीप के शर्मा	47-49
21	पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (PARV)	सौजन्य: प्रदीप के शर्मा	50
22	गुजरात राज्य स्तरीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी 2023 - अवलोकन	सौजन्य: रुमकी दत्ता	51-52
23	संविधान दिवस	सौजन्य: आ. का. अ. म. समिति	53
24	यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम-2013 के संबंध में पीआरएल-आइसीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम	सौजन्य: रुमकी दत्ता	54-55
25	क्रिसमस एवं नव वर्ष 2024 समारोह	सौजन्य: अभिषेक	56
26	पीआरएल में गणतंत्र दिवस समारोह	सौजन्य: हर्षा परमार	57
27	इंटर-एरिया फूटबॉल टूर्नामेंट	सौजन्यः सोनम जीतरवाल	58
28	परमविक्रम-1000 HPC पर तृतीय सीएनआईटी प्रभाग नुक्कड़ - "चाय पे बाइट"	सौजन्य: जिगर रावल	59-60
29	"भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत"	अर्जुन कुमार घांची	61-70
30	अंतर्द्वंद	ए . शिवम्	71
31	प्रबल इच्छाशक्ति	अंकिता पटेल	72-73
32	वक्त कुछ सिखला रहा	आँचल साहू	74
33	पी.आर.एल. परिवार	सौजन्य: सेंथिल बाबु टी. जे.	75-76

## चंद्रयान-3 मिशन: एक सफल प्रयोग का अनुभव

लेखक: ऋषितोष कुमार सिन्हा

#### चंद्रमा का अन्वेषण: चंद्रयान मिशन

चंद्रयान मिशन ने चंद्रमा के अनुसंधान में हमारी मौलिक धारणा को क्रांति देने का काम किया है। जल अणु मॉलिक्यूल और हाइड्रॉक्साइल आयन की पुष्टि से लेकर हाल की ज्वालामुखी विकास, जल-बर्फ़ की पहचान, नई चट्टान विज्ञान, और मिनी-मैग्नेटोस्फीर का खुलासा - चंद्रयान-1 (22 अक्टूबर, 2008 को प्रक्षिप्त) ने इसरो के ग्रह अन्वेषण की यात्रा की प्रारंभिक राह बताई है। तब से, इसरो ने चंद्रमा के अन्वेषण में वैश्विक रुचि को जागृत करने में और चंद्रमा के वैकल्पिक इतिहास की समझ में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जैसा कि अनेक नयी तकनीकों का उपयोग करके चंद्रयान-2 मिशन (22 जुलाई, 2019 को प्रक्षिप्त) ने कैसे आगे बढ़ा है। इस परिणामस्वरूप, चंद्रयान-3 मिशन (14 जुलाई, 2023 को प्रक्षिप्त) ने उच्च अक्षांश वाले दिक्षणी ऊर्ध्वीय क्षेत्र में विक्रम लैंडर को सॉफ्ट लैंडिंग करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जहां पिछले पांच से छे दशकों में कोई नहीं गया था, न केवल मनविहित और अमनविहित मिशनों द्वारा। इसके अतिरिक्त, प्रज्ञान रोवर ने चंद्रमा के सतह पर एक चंद्र दिवस के भीतर 100 मीटर से अधिक नेविगेट किया है।

### चंद्रयान-3 मिशन

वैज्ञानिकों का ऐसा विश्वास है कि चंद्रमा के संघटन के बाद एक वैश्विक मात्रीय मैग्मा समुद्र का संगठन किया था, जिसके आज भी ठंडा होने की उम्मीद है और आंतरिक सिकुड़ने के कारण चंद्रमा के भीतर से चन्द्रभूकंप को उत्पन्न कर रहा है। तब से, इस तरल मैग्मा के भीतर अभिकलन के कारण विभिन्न सामग्री का गठन हुआ है, जिसका मुख्य उद्देश्य चंद्रमा के उत्पत्ति और इसकी वर्तमान सिक्रिय स्थिति से संबंधित मुख्य पहलुओं का समाधान कर सकता है। चंद्रयान-3 मिशन चंद्रयान-2 का एक अनुसरण-मिशन था जो पहले चंद्रमा की सतह पर मुलायम लैंडिंग का प्रदर्शन करने के लिए था और उसके बाद इन स्थानीय मापन को संचालित करने की क्षमता थी जो चंद्रमा के मूल विकासात्मक इतिहास को समृद्ध करने के संबंध में महत्वपूर्ण है। मिशन का व्यावसायिक आकार, जिसमें एक प्रोपल्शन मॉड्यूल शामिल था, ने विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को

100 कि.मी. के चंद्रमा के कक्ष में लाया। प्रक्षेपण भारत के सतीश धवन अंतिरक्ष केंद्र (एसडीएससी) एसएचएआर, श्रीहरिकोटा से हुआ। इसके बाद, कई आवृत्ति बढ़ाने के कार्य किए गए, और लगभग 23 दिनों के बाद अगस्त 5, 2023 को चंद्रयान-3 को इच्छित 164 किमी x 18074 किमी चंद्रमा कक्ष में सफलतापूर्वक डाल दिया गया। विक्रम लैंडर का पावर्ड डिसेंट वांछित लैंडिंग स्थल की ओर अगस्त 20, 2023 से 25 किमी x 134 किमी के कक्ष से शुरू हुआ। विक्रम लैंडर ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की सफलता प्राप्त की (सटीक संयोजन: 69.373° दक्षिण, 32.319° पूर्व) अगस्त 23, 2023 को, लगभग 18:04 बजे। लैंडर मॉड्यूल से रैम्प का डिप्लॉयमेंट और प्रज्ञान रोवर को चंद्रमा की सतह की ओर ले जाने की रोलआउट उसी दिन हासिल की गई। तब से, चंद्रयान और प्रज्ञान पर बोर्ड वैज्ञानिक उपकरणों ने चंद्रमा के विकासात्मक इतिहास को समझाने के लिए महत्वपूर्ण डेटा जुटाया है।



चित्र 1: चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर। स्रोत: www.isro.gov.in

#### वैज्ञानिक उद्देश्य

चंद्रयान-3 मिशन का उद्देश्य विक्रम लैंडर की सुरक्षित सॉफ्ट लैंडिंग का प्रदर्शन करना, प्रज्ञान रोवर को चंद्रमा की सतह पर नेविगेट करना, और लैंडर और रोवर पर वैज्ञानिक उपकरणों की सहायता से स्थानीय प्रयोग करना था। इन सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

विक्रम लैंडर पर उपस्थित वैज्ञानिक उपकरण थे:

- रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव आयोनोस्फियर एंड एट्मास्फियर (रम्भा) लैंगम्यूअर प्रोब (एलपी): नजदीकी सतह प्लाज्मा (आयोंस और इलेक्ट्रॉन्स) की घनत्व और समय के साथ इसका परिवर्तन मापने के लिए उपकरण।
- चंद्रा सर्फेस थर्मोफिजिकल एक्स्पेरिमेंट (चास्ते): चंद्रमा की सतह की थर्मोफिजिकल गुणधर्मों का वर्णन करने के लिए उपकरण।
- इंस्ट्रूमेंट फॉर लुनर सीज्मिक एक्टिविटी (इलसा): लैंडिंग स्थल के आसपास भूकंपीय गतिविधि को मापने और चंद्रमा की क्रस्ट और मैंटल की संरचना का निर्धारण करने के लिए उपकरण।
- लेजर रेट्रोरेफ्लेक्टर एरे (एलआरए): मून सिस्टम की गतिकी को समझने के लिए नासा का एक निष्क्रिय प्रयोग।

प्रज्ञान रोवर पर उपस्थित वैज्ञानिक उपकरण थे:

- अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस): लैंडिंग स्थल के आसपास की मिट्टी और पत्थरों के तत्वीय संरचना का निर्धारण करने के लिए उपकरण।
- लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (एलआईबीएस): रासायनिक संरचना को प्राप्त करने और चंद्रमा की सतह के बारे में समझ को आगे बढ़ाने के लिए उपकरण।

एक आर्थिक परिवहन मॉड्यूल के साथ एक (स्पेक्ट्रो-पोलारिमेट्री ऑफ हैबिटेबल प्लानेट अर्थ) उपकरण को भेजा गया है जो पृथ्वी के स्पेक्ट्रो-पोलारिमेट्रिक संकेतों का निकट-इंफ्रारेड (NIR) तरंगलम्ब वर्ग (1.0 - 1.7 माइक्रोमीटर) में अध्ययन करने के लिए है, जो विक्रम लैंडर मॉड्यूल के सफल अलगाव के बाद काम किया।

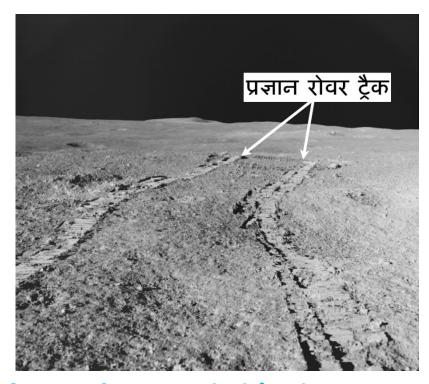
## स्थानीय मापन और प्राथमिक अनुमान

एक सप्ताह के अंदर, सभी वैज्ञानिक उपकरणों के सामान्य संचालन का प्रदर्शन किया गया, और इसरो ने गर्व से घोषणा की कि चंद्रयान-3 मिशन के तकनीकी और वैज्ञानिक उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। एपीएक्सएस उपकरण ने चंद्रमा की मिट्टी में प्रमुख (Mg, Al, Si, K, Ca, Ti, और Fe) और नग (उदा., S) तत्वों की प्रचुरता का मापन किया है। चंद्रमा की मिट्टी में Al, Ca, Fe, Cr, Ti, Mn, Si, और O का पता लगाने के अलावा, एलआईबीएस उपकरण ने सल्फर (एस) की मौजूदगी की भी पृष्टि की है। इलसा उपकरण ने कई घटनाएं दर्ज की हैं, जो ज्ञात और अज्ञात स्रोतों से थीं। ज्ञात स्रोतों में प्रमुखतः रोवर की गति और विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर पर उपकरणों का संचालन शामिल था; हालांकि, संभावित स्रोतों का अध्ययन वर्तमान में जारी है। रम्भा-एलपी उपकरण द्वारा किए गए प्रारंभिक मापनों ने बताया है कि चंद्रमा की सतह के नजदीकी प्लाज्मा अनुपात कुछ कम हो सकता है। चास्ते द्वारा चंद्रमा की ऊपरी सतह के थर्मल प्रोफाइल के मापन ने लैंडिंग स्थल पर चंद्रमा के उष्मीय व्यवहार के नए दृष्टिकोण का खुलासा किया है, जो दुनिया भर में चंद्रमा समुदाय में बहुत रुचि उत्पन्न करता है।

#### चंद्रमा की सतह पर प्रज्ञान रोवर का नेविगेशन

छह पहियों वाला, लगभग 25 किलोग्राम का प्रज्ञान रोवर (आयाम: 917 x 750 x 397 मिमी³) अपनी चंद्रमा के अन्वेषण यात्रा पर निकला जल्द ही जब विक्रम ने चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग की। रोवर ने चंद्रमा के प्राचीन सतह (~ 3.7 अरब साल) पर बिना किसी कठिनाई के नेविगेट किया, और चंद्रमा के एक दिवस के भीतर लगभग 103 मीटर की यात्रा पूरी की। प्रज्ञान रोवर के नेविगेशन के प्रारंभिक कुछ दिनों के दौरान, रोवर ने लैंडिंग स्थल के दक्षिण और पूर्व की ओर संभावित हानिकारक गड्ढों का सामना किया। इसलिए, यह

निर्णय लिया गया कि रोवर को लैंडिंग स्थल के पश्चिम की ओर नेविगेट किया जाए, और यह निर्णय रोवर के संचालन के लिए सोलर पैनल के माध्यम से ऊर्जा आवश्यकताओं को बढ़ावा दिया। पश्चिम की ओर, प्रज्ञान रोवर ने कई ~5-7 मीटर लंबी खंडों में नेविगेट किया और साथ ही साथ चंद्रमा के विभिन्न छेत्रों का अन्वेषण भी किया।



चित्र 2: चंद्रमा की सतह पर प्रज्ञान रोवर के ट्रैक। स्रोत: www.isro.gov.in

एकत्रित करने पर, चंद्रयान-3 मिशन ने पूरे राष्ट्र और दुनिया भर के व्यापक चंद्रमा समुदाय के लिए एक जीवन-बदलने वाला लम्हा साबित हुआ है। इस मिशन के सभी लक्ष्यों की सफल पूर्ति खुशी और गर्व का विषय है।

वैज्ञानिक अन्वेषणों और निष्कर्षों पर अधिक अपडेट के लिए बने रहें! (https://www.isro.gov.in/ और https://twitter.com/isro पर अधिक जानकारी के लिए अन्वेषण जारी रखें)।

## पीआरएल के लिडार नेटवर्क के द्वारा भारत के पश्चिमी क्षेत्र में वायुमंडलीय बादलों का अध्ययन

लेखक: धर्मेंद्र कुमार कामत

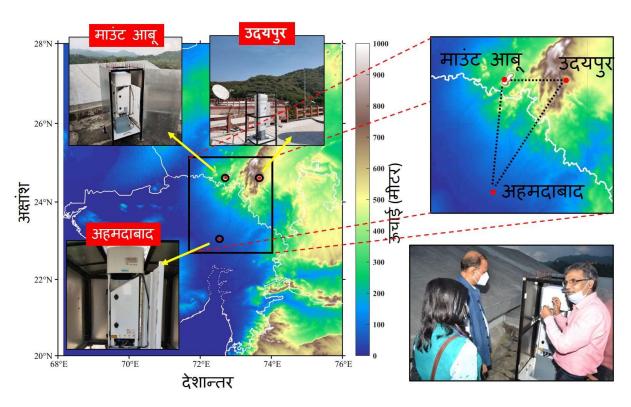
बादल आकाश में तैरते हुए छोटे जल के बूँदों का सामान्य रूप से दिखने वाला समूह होते हैं। बादल आकार, रूप, रंग में भिन्न होते हैं और वायुमंडल में विभिन्न ऊंचाइयों पर होते हैं। किसी भी समय पर बादलों ने पृथ्वी के बड़े हिस्से का आवरण किया होता है और उनका होना मौसम की स्थितियों को प्रकटीकरण करता है। जलवायु प्रणाली में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं के कारण, जैसे कि तापीय बजट, जलवायुविज्ञान में बादलों का अध्ययन महत्वपूर्ण रहा है। बादल समय और अंतिरक्ष में अत्यधिक गितशील होते हैं, और मौसम और जलवायु मॉडलों में उनका उचित प्रतिनिधित्व करना चुनौतीपूर्ण होता है। इन बादल पैरामीटरों का अविशेष प्रतिनिधित्व मॉडलों में अनियमितता को उत्पन्न करता है, जो भविष्य के मौसम और जलवायु पर बादलों के प्रभाव का निर्धारण करने में अनिश्चितता का कारण बनता है। इसिलए, जलवायु निदान और भविष्य की जलवायु की पूर्वानुमान के लिए बादलों की निरंतर मॉनिटरिंग और अनुसंधान महत्वपूर्ण है।

#### सीलोमीटर लिडार

सीलोमीटर एक आंखों के लिए सुरक्षित लिडार है जिसका उपयोग बादल के आधार की ऊंचाई और ऊर्ध्वाधर दृश्यता का पता लगाने के लिए किया जाता है। यह हर 2 सेकंड में एक साथ बादलों की तीन परतों को माप सकता है। सीलोमीटर का ऊर्ध्वाधर रिज़ॉल्यूशन 10 मीटर है। यह 11 वाट की अधिकतम शक्ति के साथ 910 नैनोमीटर के केंद्र तरंग दैर्ध्य पर एक InGaAs डायोड लेजर का उपयोग करता है, जो 7.6 किलोमीटर की उच्चतम सीमा देता है। रिसीवर में एक सिलिकॉन एवलांच फोटोडायोड का उपयोग किया जाता है। उच्च अस्थायी और ऊर्ध्वाधर रिज़ॉल्यूशन के कारण, सीलोमीटर क्लाउड गतिशीलता और बादलों के ऊर्ध्वाधर वितरण का अध्ययन करने में महत्वपूर्ण हैं। बादलों के अलावा, सीलोमीटर बैकस्कैटर प्रोफ़ाइल का उपयोग करके वायुमंडलीय सीमा परत प्रोफ़ाइल भी प्रदान करता है।

### पीआरएल का इंडियन लिडार नेटवर्क

पीआरएल के इंडियन लिंडार नेटवर्क का उद्देश्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों में वायुमंडलीय बादलों का निरंतर अवलोकन करना है। इस संबंध में, भारत के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न लिंडार स्थापित किए गए हैं जो भारत की विभिन्न भौगोलिक और जलवायु स्थितियों को आवरण करते हैं। पश्चिमी-भारतीय क्षेत्र में तीन लिडार स्थान हैं: अहमदाबाद (गुजरात का एक गर्म, अर्ध-शुष्क जलवायु वाला नगरीय छेत्र है), माउंट आबू (राजस्थान की अरावली पर्वतमाला का एक ऊचाई-वाला स्थान) और उदयपुर (राजस्थान के रेगिस्तान के पास, झीलों से घिरा है और गर्म अर्ध-शुष्क जलवायु है)।



चित्र 1: प्रोफेसर सोम कुमार शर्मा (पीआरएल के इंडियन लिडार नेटवर्क के प्रधान अन्वेषक) माउंट आबू में आईएएस श्री तल्लीन कुमार की आधिकारिक यात्रा के दौरान सीलोमीटर लिडार की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए।

## सौर भौतिकी कार्यशाला

उदयपुर सौर वेधशाला में दिनांक 3-5 अप्रैल 2023 तक तीन दिवसीय सौर भौतिकी कार्यशाला "बहु-स्तरीय सौर परिघटनाएँ: वर्तमान क्षमताएं एवं भावी चुनौतियाँ [यूएसपीडब्ल्यू -2023]" का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन इसरों के पूर्व चेयरमेन तथा तात्कालिक सदस्य, प्रधान मंत्री विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद, भारत सरकार के अध्यक्ष श्री ए एस किरण कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद के निदेशक, प्रोफेसर अनिल भारद्वाज ने सभी आगंतुक वैज्ञानिकों का अपने स्वागत अभिभाषण के साथ अभिनंदन किया और सभी सौर वैज्ञानिकों को वर्तमान सौर शोध विषयों पर परिचर्चा के लिए एक मंच पर लाने के इस कार्यशाला के उद्देश्य से अवगत कराया। प्रोफेसर अनिल भारद्वाज ने उदयपुर सौर वेधशाला में स्थापित उन्नत तकनीकी युक्त सौर दूरबीनों जैसे – MAST (मास्ट), GONG (गोंग), E- Callisto (ई-कैलिस्टो) एवं विशेष रूप से भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा निर्मित चंद्रयान – 2 के साथ भेजें गए XSM (एक्सएसएम) पेलोड जो कि सूक्ष्म सौर प्रज्वाल के अध्ययन में उपयोगी भूमिका निभा रहा हैं, पर चर्चा की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री ए एस किरण कुमार ने अपने उद्घाटन अभिभाषण में इस बात पर बल दिया कि वैज्ञानिक प्रेक्षणों – सूचनाओं के साथ नवीन तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), मशीन लर्निंग के द्वारा शोध के नये आयाम एवं नये परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं। उन्होंने इसके लिए देश में सक्षम वातावरण की आवश्यकता पर बल दिया। अंत मे उन्होंने इस कार्यशाला के माध्यम से वैज्ञानिकों को आगामी सौर मिशन की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

सौर भौतिक कार्यशाला [यूएसपीडब्ल्यू - 2023] के दूसरे दिन, देश भर के विभिन्न शोधकर्ताओं ने उन अवलोकनों को समझने के लिए सौर अवलोकनों और कंप्यूटर सिमुलेशन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की । इन विषयों पर कई प्रस्तुतियां दी गईं, जिसके बाद भारत के भविष्य के अंतिरक्ष सौर मिशनों पर चर्चा की गई। विभिन्न सौर परिघटनाओं को समझने के लिए भारत की क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस संबंध में आदित्य-एल 1 मिशन पर उदयपुर सौर वेधशाला में स्थित ई-कैलिस्टो उपकरण और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद से एएसपीईएक्स (ASPEX) उपकरण से भू-आधारित रेडियो प्रेक्षणों पर विशेष ध्यान दिया गया। सूर्य पर होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं में चुंबकीय क्षेत्र की भूमिका को समझने के लिए उदयपुर सौर वेधशाला, आईआईएसईआर कोलकाता और आईआईटी इंदौर में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न संख्यात्मक मॉडलों पर चर्चा की गई। सत्र के द्वितीय चरण में कोडाइकनाल, तिमलनाडु में स्थित कोडाइकनाल वेधशाला और उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर, राजस्थान में स्थित मल्टी एप्लीकेशन सोलर टेलीस्कोप (एमएएसटी) से सौर टिप्पणियों पर चर्चा की गई। इस दौरान भारत की आगामी

जमीन आधारित अवलोकन सुविधाओं मुख्यतः जम्मू और कश्मीर के मेराक में पोंगोंग झील स्थल पर राष्ट्रीय विपुल सौर टेलीस्कोप (एनएलएसटी) और उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर में वाइड-बैंड सोलर रेडियो स्पेक्ट्रोग्राफ (डब्ल्यूबीएसआरएस) को भी विशेष महत्व दिया गया। कार्यशाला का दूसरा दिन उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर, राजस्थान में सभी प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और शोध विद्वानों की विभिन्न अवलोकन सुविधाओं के दौरे के साथ समाप्त हुआ। उदयपुर सौर भौतिकी कार्यशाला [यूएसपीडब्ल्यू-2023] के समापन दिवस पर, आदित्य-एल1 पेलोड वीईएलसी, सूट, एएसपीईएक्स, पापा, और मैग पर ध्यान केंद्रित किया गया इन पेलोड के विभिन्न प्रमुख और सह-प्रमुख जांचकर्ताओं ने अपने वैज्ञानिक उद्देश्य और उपकरण क्षमताओं पर चर्चा की। सत्र के अंत में, सौर भौतिकी समुदाय की संभावित अवलोकन संबंधी आवश्यकताओं पर गहन चर्चा की गई और यह निर्णय लिया गया कि प्रतिनिधि आपसी सहमित से एक निश्चित समय सीमा के भीतर एक विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेंगे, जिसे निदेशक, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला को प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यशाला का समापन भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के निदेशक प्रोफेसर अनिल भारद्वाज ने सौर भौतिकी समुदाय को आदित्य-एल1 मिशन के प्रक्षेपण और एल1 कक्षा में इसके प्रवेश के बीच के समय में अधिमानतः एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करने के प्रोत्साहन के साथ किया।





कार्यशाला की कुछ तस्वीरें

## पीआरएल क्रिकेट लीग - 2023

#### सौजन्य: आ. का. अ. म. समिति

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 22 अप्रैल से 30 अप्रैल 2023 तक पहला "इंटर-एरिया/डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट - पीआरएल क्रिकेट लीग-2023 (पीसीएल-2023)" आयोजित किया। इस टूर्नामेंट में कुल सात 7 टीमों (यानी पीएसडीएन, एएसटीएएस, एसपीएएससी, जीएसडीएन, एएमओपीएच, टीएचईपीएच, और [एडिमन + सिर्विसेज]) ने भाग लिया। टूर्नामेंट की शुरुआत 22 अप्रैल 2023 को एक संक्षिप्त लेकिन मनोरंजक उद्घाटन कार्यक्रम के साथ हुई, जिसके बाद निदेशक की टीम और डीन की टीम के बीच एक मैत्री मैच हुआ। उद्घाटन समारोह में निदेशक, पीआरएल द्वारा केक काटा गया। इस दौरान प्रो. अनिल भारद्वाज (निदेशक, पीआरएल), प्रो. डी. पल्लमराजू (डीन, पीआरएल) और प्रो. रिव भूषण को क्रिकेट जर्सी से सम्मानित किया गया।

प्रो. रवि भूषण को उनके उत्कृष्ट दर्शन, समर्पण और पीआरएल खेल गतिविधियों में योगदान के लिए आजीवन उपलब्धि पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

उद्घाटन कार्यक्रम के बाद निदेशक, पीआरएल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और फिर निदेशक और डीन की टीमों के बीच एक मैत्री मैच हुआ। निदेशक की टीम मैच की विजेता बनी।

लीग और नॉकआउट मैच 23 अप्रैल से 29 अप्रैल 2023 तक खेले गए। लीग मैचों के पूरा होने के बाद एएमओपीएच, जीएसडीएन, एएसटीएएस, और एसपीएएससी की टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जो 29 अप्रैल 2023 को खेले गए थे।

पीआरएल क्रिकेट लीग का फाइनल 30 अप्रैल 2023 को स्पेस शार्क्स (एसपीएएससी) और जीएसडीएन थंडिरंग अर्थ के बीच खेला गया था। प्रो. अनिल भारद्वाज (निदेशक, पीआरएल), प्रो. डी. पल्लमराजू (डीन, पीआरएल) और पीआरएल सदस्य इस रोमांचक कार्यक्रम के साक्षी बने। मैच से ठीक पहले, निदेशक, पीआरएल ने पिछले सभी मैचों के अलग-अलग विजेताओं को मैन ऑफ द मैच ट्राफी से पुरस्कृत किया।

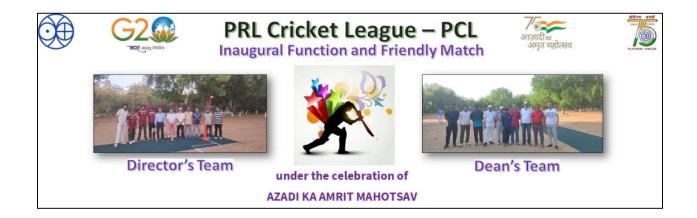
फाइनल मैच काफी रोमांचक था, जो नाटक, उत्साह और दिलचस्प समापन से भरपूर था। खेल अंतिम गेंद तक चला, स्कोर टाई हो गया और सुपर ओवर खेलकर परिणाम तय करना पड़ा। अंत में, जीएसडीएन थंडरिंग अर्थ ने प्रथम पीआरएल क्रिकेट लीग टूर्नामेंट जीता। हालाँकि, दोनों टीमों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धी भावना को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने दिल से खेला और दर्शकों को अविस्मरणीय अनुभव दिया, जो सही अर्थ में फाइनल के योग्य हुआ। खिलाड़ियों ने जिस उत्साह और खेल भावना का परिचय दिया है वह प्रशंसनीय है।

जीएसडीएन थंडिरंग अर्थ (भू-विज्ञान प्रभाग) को खिताब जीतने के लिए और उपविजेता के लिए स्पेस शार्क्स (अंतिरक्ष एवं वायुमंडलीय प्रभाग) को हमारी हार्दिक बधाई। साथ ही, सभी भिन्न-भिन्न मैच और टूर्नामेंट पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं।

हम सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हैं और सफलता की ओर उनकी यात्रा का समर्थन जारी रखने की आशा करते हैं।

हम इस टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए दर्शकों की सक्रिय भागीदारी, भाग लेने वाली टीमों, अंपायरों, क्रय विभाग, सीएमजी, पीआरएल डिस्पेंसरी और कैंटीन सेवाओं की सराहना करते हैं। टूर्नामेंट के लिए मैदान में आवश्यक व्यवस्था करने के लिए आयोजन समिति सीएमजी की आभारी है।

अंत में, हम निदेशक, पीआरएल, डीन, पीआरएल, अध्यक्ष, आ.का.अ.म. सिमति एवं प्रो. रिव भूषण को उद्घाटन और फाइनल में उनकी उपस्थिति के लिए और आयोजन टीम के प्रत्येक सदस्य को उनके सिक्रय समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।





टूर्नामेंट की झलकियां

## संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति द्वारा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद का निरीक्षण

#### सौजन्य: रुमकी दत्ता

संसदीय राजभाषा सिमिति की दूसरी उप-सिमित द्वारा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद का निरीक्षण राजकोट, गुजरात में सोमवार दिनांक 10 जुलाई, 2023 को किया गया। माननीय सिमित ने कार्यालय में चल रहे हिंदी के कार्यान्वयन की समीक्षा की एवं सुझाव प्रेषित किए। माननीया सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी की अध्यक्षता में यह निरीक्षण किया गया। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज, प्रो. आर.डी. देशपांडे, विरेष्ठ प्रोफेसर एवं रिजस्ट्रार, प्रो. सोम कुमार शर्मा, प्रोफेसर, श्री प्रदीप कुमार शर्मा, विरेष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्रीमती रुमकी दत्ता, सहायक निदेशक (रा.भा.) और अंतरिक्ष विभाग की ओर से श्री लोचन सेहरा, संयुक्त सिवव, इनस्पेस एवं डॉ. शंकर कुमार, संयुक्त निदेशक (रा.भा.) उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान संसदीय सिमित द्वारा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में किए जा रहे हिंदी कार्यान्वयन के कार्यों की सराहना की गई एवं ध्यान देने योग्य बातों पर भी चर्चा की गई। यह निरीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। निदेशक महोदय ने भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला का पारंपरिक स्टोल ओढ़ाकर सिमित का सम्मान किया एवं गृह-पत्रिका "विक्रम" की प्रति भेंट की। इस निरीक्षण के समापन पर रिजस्ट्रार, प्रो. आर.डी. देशपांडे द्वारा माननीय सिमित का आभार ज्ञापन किया गया।





निरीक्षण कार्यक्रम की झलक: संसदीय राजभाषा सिमिति की दूसरी उप-सिमिति द्वारा राजकोट, गुजरात में सोमवार दिनांक 10 जुलाई, 2023 को भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद का निरीक्षण

## "पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (पर्व)"

सौजन्य: प्रदीप के शर्मा

भारत की स्वतंत्रता के गौरवशाली 75 वर्षों के उत्सवों और पीआरएल की स्थापना के प्लेटिनम जयंती समारोह की निरंतरता में, विभिन्न नए कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है।

राजभाषा - हिंदी में मासिक व्याख्यानों की एक नई श्रृंखला की घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

PARV व्याख्यान हम सभी के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के साथ चर्चा करने और विभिन्न सामान्य रुचिकर विषयों के बारे में हमारे दृष्टिकोण, समझ और जागरूकता को व्यापक बनाने का एक अनोखा अवसर होगा।

पीआरएल में दैनंदिन कार्यों में राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023-24 में राजभाषा हिंदी में मासिक व्याख्यानों की एक नई श्रृंखला प्रारंभ करने का संकल्प लिया गया है।

इस मासिक हिंदी व्याख्यान श्रृंखला का नाम "पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (PARV)" है। PARV व्याख्यान श्रृंखला में विज्ञान और कला, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, साहित्य और राजभाषा, कॉर्पोरेट व्यवसाय और उद्यमिता, प्रबंधन, उद्योग और विपणन, वित्त और मानव संसाधन, विधि और सामाजिक विज्ञान, खेल और यात्रा वृत्तांत, साहिसक मिशन, आध्यात्मिक दर्शन और पारंपरिक ज्ञान के विषय में प्रख्यात व्यक्तित्वों द्वारा व्याख्यान दिया जा रहा है।

पीआरएल के निदेशक, प्रो. अनिल भारद्वाज द्वारा "पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (PARV)" का उद्घाटन किया गया। इस व्याख्यान श्रृंखला का प्रथम व्याख्यान बुधवार 21 जून 2023 को दिया गया है।

डॉ. बलदेवानंद सागर, विश्व संस्कृत मीडिया परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री की "मन की बात" का संस्कृत मनोगतम के अनुवादक एवं प्रसारणक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार व्याख्यानकर्ता रहे। इस व्याख्यान का विषय "भारत का अतीत, वर्तमान और भविष्य" था।

## पर्व व्याख्यान का विवरण

क्र.	शीर्षक, तिथि एवं समय	वक्ता	संबंधन	फ़ोटो
सं.	Title, Date & Time	Speaker	Affiliation	Photo
1.	एक ही है हिमालय (30-08-2023 16:00:00)	डॉ. शेखर पाठक	भारतीय इतिहासकार और लेखक, पीपल्स एसोसिएशन फॉर हिमालय एरिया रिसर्च के एक संस्थापक, पूर्व प्रोफेसर (इतिहास), कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल, नई दिल्ली में तीन मूर्ति पर समकालीन अध्ययन के लिए केंद्र में एक नेहरू फैलो https://www.youtube.com/watch?v=MeoJ07bZYY0	
2.	वित्तीय प्रबंधन की चुनौतियाँ (20-09-2023 16:00:00)	डॉ. अभय कुमार ठाकुर	वित्ताधिकारी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी https://www.youtube.com /watch?v=iXZ2jsyrM	

3.	केंद्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा व्यवहार (04-10-2023 15:59:00)	डॉ. शंकर कुमार पराशर	संयुक्त निदेशक, राजभाषा, शाखा सचिवालय, अंतरिक्ष विभाग, नई दिल्ली https://www.youtube.com /watch?v=rOzPyCf Jlo	
4.	तृणमूल नवप्रवर्तन एवं नवप्रवर्तक आत्मनिर्भर – राष्ट्रीय भारत की पहचान नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान का सफर और सफल प्रयास (30-11-2023 16:00:00)	अरविन्द	निदेशक, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत -गांधीनगर https://www.youtube.com /watch?v=dRPM1em1_pU	
5.	सुशासन एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन में लोक सेवको एवं नागरिकों की भूमिका (20-12-2023 16:00:00)		मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ), हलद्वानी, उत्तराखंड https://www.youtube.com /watch?v=ZKojxbPtMSc	
6.	भूविरासत संरक्षण की स्थिति और भारत में जियोपार्क विकसित करने की आवश्यकता (17-01-2024 16:00:00)		पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल जीएसआई एवं सचिव, सोसाइटी फॉर अर्थ साइंटिस्टस https://www.youtube.com /watch?v=XjDYZrdq8Ls	

## रस्साकशी

#### सौजन्य: आ. का. अ. म. समिति

सबसे प्राचीन खेलों में से एक रस्साकशी है और इस बात का प्रमाण हैं कि यह प्राचीन काल में दुनिया भर में खेला जाता था। इसे रस्सी-खींच और रस्साकसी-युद्ध के रूप में भी जाना जाता है, यह आज भी एक लोकप्रिय खेल बना हुआ है जिसमें दो टीमों की ताकत को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी होती है और दुनिया के लगभग हर देश में किसी न किसी रूप में इसका अभ्यास किया जाता है।

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, 11 अगस्त, 2023 (शुक्रवार) को पीआरएल लाइब्रेरी लॉन में एक अंतर-क्षेत्र रस्साकशी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हर क्षेत्र से 8 सदस्यों की दल गठित कीये गए। दलों को खेल के नियमों की जानकारी दी गई। डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल, डॉ. डी. पल्लम राजू, डीन, पीआरएल और डॉ. आर.डी. देशपांडे, रजिस्ट्रार, पीआरएल ने प्रत्येक खिलाड़ी से मुलाकात की और उन्हें खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह आयोजन नॉकआउट आधार पर आयोजित किया गया था। खेल में रेफरी डॉ. टी ए राजेश और डॉ. एस वेंकटरमणि थे। प्रत्येक टीम ने गेम जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। दर्शकों ने प्रत्येक टीम का उत्साहवर्धन किया और उनकी ऊर्जा को बढ़ाया। अंतिम राउंड के पूरा होने पर, पिछले वर्ष की तरह, टीम सर्विसेज ने पहला पुरस्कार जीता, टीम जीएसडीएन ने दूसरा पुरस्कार जीता। टीम प्रशासन ने तृतीय पुरस्कार जीता।

महिला सदस्यों को शामिल करते हुए चार दल, टीम अहिल्या, टीम कल्पना, टीम टेरेसा और टीम लक्ष्मी का भी गठन किया गया। इन दलों ने सराहनीय शक्ति और उत्साह के साथ भाग लिया। चार मैचों की समाप्ति पर टीम अहिल्या प्रथम स्थान पर रही जबकि टीम टेरेसा उपविजेता रही। टीम कल्पना और टीम लक्ष्मी दोनों तीसरे स्थान पर रहीं।

अनायास, टीम डीन और टीम रजिस्ट्रार के रूप में वेटरन पीआरएल सदस्यों की दो और टीम गठित की गईं। वेटरन टीम की प्रतियोगिता को निदेशक, पीआरएल द्वारा रेफरी किया गया था। खेल के अंत में टीम डीन ने मैच जीत लिया तथा टीम रजिस्ट्रार उपविजेता रही।

सभी ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।









कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें



## विक्रम साराभाई जयंती

हर साल 12 अगस्त को पीआरएल के सभी परिसरों में विक्रम साराभाई जयंती मनाया जाता है। इस वर्ष पीआरएल ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के संस्थापक प्रो. विक्रम साराभाई को स्मरण करते हुए पीआरएल मुख्य और थलतेज परिसर में 104वीं जयंती समारोह का आयोजन किया था। पीआरएल मुख्य परिसर में समारोह 0930 बजे शुरू हुआ। शनिवार, 12 अगस्त 2023 को साराभाई परिवार के सदस्यों के साथ आमंत्रित अन्य गणमान्य व्यक्तियों और पीआरएल के सदस्यों द्वारा प्रो.विक्रम साराभाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद, पीआरएल मुख्य परिसर में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों सिहत गणमान्य व्यक्तियों, सेवानिवृत्तों, नए सदस्यों ने वृक्षारोपण में बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। चमेली, मधुकामिनी, जासुद, पारस, गार्डेनिया, टेबेबुइया, सैफ्लावर आदि विभिन्न प्रजातियों के 75 से अधिक पौधे लगाए गए।





विक्रम साराभाई जयंती की कुछ तस्वीरें



## पीआरएल में स्वतंत्रता दिवस समारोह

#### सौजन्य: आ. का. अ. म. समिति

'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 15 अगस्त 2023 (मंगलवार) को पीआरएल मुख्य परिसर, लाइब्रेरी लॉन में 77वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

पीआरएल के निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ। प्रोटोकॉल के अनुसार, सीआईएसएफ, पीआरएल द्वारा एक परेड की गई जो कार्यप्रणाली और दृढ़ता का प्रतीक है। डॉ. अनिल भारद्वाज ने वर्ष के दौरान पीआरएल की वैज्ञानिक और अन्य गतिविधियों को बताते हुए श्रोताओं को एक समृद्ध और देशभक्तिपूर्ण संभाषण दिया। इसके बाद सीआईएसएफ कैडेटों को योग्यता और सेवा पुरस्कार दिए गए।

इसके बाद, AKAM के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं यानी रस्साकशी, ट्रेजर हंट, योग, बैडिमंटन और टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों द्वारा तिरंगे गुब्बारे भी छोड़े गए, जिसके बाद पीआरएल सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

इसके पश्चात, के.आर. रामनाथन सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पीआरएल सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा वाद्य गीत (पियानो), सोलो गायन, नृत्य और माइम एक्ट का प्रदर्शन किया गया। उनके प्रदर्शन से सभी के दिलों में गौरवपूर्ण देशभिक्त की भावना का प्रसार हुआ और सभी ने खूब आनंद लिया।













स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियां

अंत में, फिल्म "द जर्नी ऑफ इसरो" (श्री के.एस. श्रीधर द्वारा निर्देशित और फिल्म्स डिवीजन द्वारा निर्मित) की स्क्रीनिंग के.आर. रामनाथन सभागार में प्रसारित की गई। फिल्म में इसरो की शुरुआत से लेकर आज तक की पूरी यात्रा को संक्षेप में दर्शाया गया है।

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उदयपुर सौर वेधशाला/भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर में बड़े जोश और उत्साह के साथ विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, उदयपुर सौर वेधशाला के प्रमुख डॉ. शिबू के. मैथ्यू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी सदस्यों और आगंतुकों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर उदयपुर सौर वेधशाला/पीआरएल, उदयपुर के प्रमुख डॉ. शिबू के. मैथ्यू ने अपने सम्बोधन द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों एवं आगंतुकों का स्वागत किया तथा सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात् यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर में CAKAM के तहत आयोजित ट्रेजर हंट, योगा प्रतियोगिता एवं सदस्य कल्याण सिमति, उदयपुर द्वारा आयोजित बैडिमंटन टूर्नामेंट के विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।



स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियां

इस अवसर पर, असाधारण और सराहनीय कार्य करने वाले सुरक्षा कर्मियों को सम्मानित करने की एक पहल के रूप में, श्री सूरज कुमार राठौड़ को वर्ष 2022-2023 के लिए सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा व्यक्तिगत पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

पीआरएल माउंट आबू के सभी कर्मचारियों एवम परिवार के सदस्यों द्वारा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। परिसर को रोशनी से सजाया गया।



कार्यक्रम की एक झलक



## हिंदी तकनीकी संगोष्ठी रिपोर्ट - 2023

#### सौजन्य: रुमकी दत्ता

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में "संधारणीय विकास के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी नवीनता Scientific and Technical Innovations for Sustainable Development" विषय पर 16 अगस्त 2023 को एक दिवसीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस हिंदी तकनीकी संगोष्ठी में अवरक्त वेधशाला, माउंट आबू, उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर और अंतिरक्ष उपयोग केंद्र, अहमदाबाद प्रतिभागी के रूप शामिल हुए थे। हिंदी में तकनीकी ज्ञान का प्रचार-प्रसार एवं केंद्र में राजभाषा संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना, इस संगोष्ठी का उद्देश्य था। इस संगोष्ठी के मुख्य विषय के अंतर्गत वैज्ञानिकों के लिए उप-विषय भी रखे गए थे जो निम्नानुसार हैं:

A. प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण - दुर्लभता से संधारणीयता तक

Conservation of Natural Resources - From Scarcity to Sustainability

B. जलवायु परिवर्तन – पृथ्वी के तापमान में परिवर्तन से लेकर चरम मौसमी घटनाओं तक

Climate Change - From changing Earth's Temperature to Extreme Events

C. क्वांटम प्रौद्योगिकी - वैज्ञानिक नवीनता से संधारणीय संचार तक

Quantum Technology - From Science Innovation to Sustainable Communication

D. भावी दिशानिर्देश - संधारणीय प्रबंधन से समुत्थानशील विकास तक

Future Roadmap - From Sustainable Management to Resilient Growth

E. मुख्य विषय से संबंधित कोई अन्य विषय

Any other topic relevant to the main theme

इस तकनीकी संगोष्ठी में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के निदेशक, प्रो. प्रवीण नाहर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे थे। अन्य उपस्थित गणमान्यों में अंतरिक्ष उपयोग केंद्र के नियंत्रक, श्री विवेक जैन उपस्थित थे। कुल तीन सत्र थे। दो मौखिक प्रस्तुति सत्र एवं एक पोस्टर सत्र।

कुल मिलाकर 49 प्रस्तुतियां थीं। पोस्टर प्रस्तुति 29 एवं मौखिक प्रस्तुति 20 थे, जिनका विवरण निम्नलिखित है:

	पोस्टर प्रस्तुतियाँ		
	उप विषय- A: प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण - दुर्लभता से संधारणीयता तक		
1.	प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण – दुर्लभता से संधारणीयता तक		
2.	दृश्य-संवेदक प्रौद्योगिकी की अभिकल्पना और विकास		
	उप विषय- B: जलवायु परिवर्तन: पृथ्वी के तापमान में परिवर्तन से लेकर चरम मौसमी घटनाओं तक		
3.	अनुकूली प्रकाशिकी (एडाप्टिव आप्टिक्स -AO) परियोजना		
4.	अहमदाबाद में लॉकडाउन का वायुविलय के सांद्रता पर प्रभाव		
5.	अरब सागर में ग्लेशियल-इंटरग्लेशियल ऑक्सीजन परिवर्तनशीलता		
6.	धूल का जमाव और फॉस्फेट के प्रवाह का ट्राइकोडेमियम प्रचुरता में योगदान		
7.	जलवायु पर हानिकारक प्रभावों को कम करने के लिए सतह उपचार में उपयोग होने वाली अम्ल घोल की संरचना में संशोधन द्वारा अम्ल खपत में कमी		
8.	जलवायु परिवर्तन		
9.	गगन का उपयोग कर निकट वास्तविक समय आयनमंडल निगरानी पोर्टल		
	उप विषय- C: क्वांटम प्रौद्योगिकी - वैज्ञानिक नवीनता से संधारणीय संचार तक		
10.	क्वांटम तकनीक – वैज्ञानिक अवधारणा से संधारणीय संचार तक		
	उप विषय- D: भावी दिशानिर्देश - संधारणीय प्रबंधन से समुत्थानशील विकास तक		
11.	भविष्य की रूपरेखा: संधारणीय प्रबंधन और समुत्थानशील विकास तक		
12.	संधारणीय विकास तथा नवीकरणीय योजना		
13.	अंतरिक्ष मलबे का नियंत्रण: क्यों और कैसे?		
14.	भावी दिशा निर्देश संधारणीय प्रबंधन से समुत्थानशील विकास तक		
	उप विषय- E: मुख्य विषय से संबंधित कोई अन्य विषय		
15.	संधारणीय सामग्री और विनिर्माण: हरित भविष्य का पथप्रदर्शक		
16.	शुक्र ग्रह पर बिजली मापन हेतु उपकरण (LIVE) के लिए विभिन्न डिजाइन विन्यासों का विश्लेषण		
17.	नीतभार प्रणाली और उप-प्रणाली के परीक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग की संभावनाएं		
18.	निकट-अवरक्त इमेजर, स्पेक्ट्रोमीटर और पोलारिमीटर (निस्प)		
19.	गुरु शिखर, माउंट आबू(राजस्थान), अरावली पर्वतमाला का उच्चतम बिंदु, में वायुमंडलीय जल वाष्प गतिशीलता		
20.	महासागरीय गोधूलि क्षेत्र में कार्बन सिंक के प्रति कार्बन स्थिरीकरण का योगदान		
21.	मूल पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन और उनके नाइट्रो-व्युत्पन्न और NOx के साथ उनकी विविधता		
22.	चंद्रमा पर मानवयुक्त मिशन - क्या हमें ध्रुवीय या भूमध्यरेखीय क्षेत्रों का अनुसंधान करना चाहिए?		

23.	एक्स बैंड ऊँचाई मापक गगनयान का संरचनात्मक विश्लेषण
1	लेन्स असेम्बली का विफलता विश्लेषण
25.	इंटरनेट ऑफ थिंग्स तकनीक का पर्यावरण प्राचलों की निगरानी और नियंत्रण में उपयोग और अंतरिक्ष विज्ञान में अनुप्रयोग
26.	मन की बात में इसरों के संधारणीय विकास कार्यक्रमों पर चर्चा: एक विश्लेषण
27.	एनोरथोसाइट्स: चंद्रमा के भूविज्ञान को समझने का एक दृष्टिकोण
28.	फल (सेब) वर्गीकरण यंत्र का विकास
29.	भूविज्ञानी नमूनों का उच्च-मान धातु आईसोटोप विश्लेषण MC-ICP-MS का उपयोग करके

	मौखिक प्रस्तुतियाँ			
	उप विषय-B जलवायु परिवर्तन: पृथ्वी के तापमान में परिवर्तन से लेकर चरम मौसमी घटनाओं तक			
1.	पृथ्वी की जलवायु पर अलौकिक पदार्थ का प्रभाव?			
2.	मशीन लर्निंग का उपयोग करके शहरी ओजोन की गतिशीलता का मॉडलन			
3.	जलवायु परिवर्तन की विभीषिका के मध्य संधारणीय कृषि एवम् खाद्य सुरक्षा में अंतरिक्ष विज्ञान की भूमिका			
4.	जलवायु परिवर्तनः कारण, प्रभाव एवं समाधान			
5.	जलवायु परिवर्तन: पृथ्वी के तापमान में परिवर्तन से लेकर चरम घटनाओं तक			
6.	नदी सातत्य के साथ कणीय ब्लैक कार्बन का परिवहन और परिवर्तन			
7.	लघु हिमालय क्षेत्र के विभिन्न भूमि उपयोग प्रणालियों में मृदा श्वसन का मापन			
	उप विषय-C क्वांटम प्रौद्योगिकी–वैज्ञानिक नवीनता से संधारणीय संचार तक			
8.	क्वांटम प्रौद्योगिकी- वैज्ञानिक नवीनता से संधारणीय संचार तक क्वांटम कंप्यूटिंग और तकनीकी नवाचार			
9.	QUANTESS के EPC का संरचनात्मक विश्लेषण			
	उप विषय-D भावी दिशानिर्देश–संधारणीय प्रबंधन से समुत्थानशील विकास तक			
10.	इसरो की संधारणीय परियोजनाओं हेतु चुनौतियां और भविष्य			
11.	वर्चुअलाइजेशन- डिजिटल परिवर्तन का लागत प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल प्रमुख प्रवर्तक			
12.	ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी- परिचय और संधारणीय अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए परिप्रेक्ष्य			
13.	संधारणीय विकास में अंतरिक्ष विज्ञान एवं तकनीकी की उपयोगिता			
14.	संधारणीय विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं इसरो का योगदान			
15.	अंतरिक्ष और भूवैज्ञानिक अनुप्रयोगों के लिए सूक्ष्म गणना अनुभाग चित्रण प्रविधि			

	उप विषय-E मुख्य विषय से संबंधित कोई अन्य विषय
16.	बिजली प्रहार और मौसम परिवर्तन
17.	GA-सेट नीतभार के ऊपर सूक्ष्म-कंपन प्रभाव का संरचनात्मक विश्लेषण
	कार्टोसैट-1 उपग्रह का उडानमध्य ज्यामितीय अंशांकन एवं अनुप्रयोग
19.	साइन कंपन परीक्षण में त्वरण संकेतों के विश्लेषण की तकनीक
20.	भूस्थैतिक मंच से हाई रेजोल्यूशन सुदूर-संवेदन: प्रयोग, चुनौतियाँ तथा समाधान

इस हिंदी तकनीकी संगोष्ठी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों के सदस्यों ने अपने-अपने मौलिक लेख हिंदी में प्रस्तुत किए। इस प्रकार के संगोष्ठी के आयोजन से, विषय संबंधी तकनीकी जानकारी का अद्यतन एवं आदान- प्रदान सुलभ होता है और साथ ही कार्मिक अपने वैज्ञानिक/तकनीकी लेखों को राजभाषा हिंदी में लिखने के लिए प्रेरित होते हैं। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद द्वारा किए गए इस संगोष्ठी के आयोजन से विज्ञान के क्षेत्र में भी राजभाषा का प्रसार सुदृढ़ हुआ, एवं सभी को सरल, सहज भाषा में विज्ञान को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। इस तरह के लेखों से स्कूली बच्चों तथा सर्वसाधारण को बहुत ही लाभ होगा। प्रतिभागीगणों के सर्वोत्तम प्रयास द्वारा यह संगोष्ठी और रोचक एवं समृद्ध हुई।

लेख प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों के उत्साह को बढ़ाने एवं उत्कृष्ट प्रयास को चिह्नित करने के लिए निर्धारित मानदेय के अतिरिक्त, श्रेष्ठ पांच प्रस्तुतियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।



## सीएनआईटी प्रभाग नुक्कड़ - एक्सप्लोरिंग पीआरएल वेबसाइट पर "चाय पे बाइट" कार्यक्रम

#### सौजन्य: जिगर रावल

दूसरा, कंप्यूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी (सीएनआईटी) प्रभाग का नुक्कड़ - "एक्सप्लोरिंग पीआरएल वेबसाइट पर चाय पे बाइट" 31 अगस्त, 2023 को 14:30 बजे से 16:00 बजे के दौरान ऑफ़लाइन मोड में पीआरएल के मुख्य परिसर और थलतेज परिसर दोनों में आयोजित किया गया था। सत्र में विभिन्न प्रभागों/अनुभागों से 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सत्र में 80% चर्चा हिंदी में और 20% चर्चा अंग्रेजी में हुई।



"चाय पे बाइट" पहल का मुख्य उद्देश्य अनुभव और ज्ञान को साझा करना, उपयोगकर्ताओं की आईटी से संबंधित समस्याओं को समझना, उनका संभावित समाधान ढूंढना और सीएनआईटी प्रभाग और पीआरएल सहयोगियों के बीच समग्र संबंध को मजबूत करना है, जिससे पीआरएल आईटी सेवाओं/सुविधाओं की समग्र कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मुख्य परिसर में श्री जिगर रावल और थलतेज परिसर में श्री तेजस सरवैया ने सीएनआईटी प्रभाग नुक्कड़ के दूसरे सत्र – 'एक्सप्लोरिंग पीआरएल वेबसाइट पर चाय पे बाइट' में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और " एक्सप्लोरिंग पीआरएल वेबसाइट" विषय के उद्देश्य की जानकारी दी। इसका मुख्य उद्देश्य उन उपयोगकर्ता को जागरूक करना है जो पीआरएल वेबसाइट के प्रकाशन, नया क्या है, समाचार में पीआरएल, निविदाएं, भर्ती, संगोष्ठी/सेमिनार, प्रभाग की वेब सामग्री प्रबंधन आदि जैसी गतिशील सामग्री का प्रबंधन करते है।

सीएनआईटी ने मुख्य परिसर और थलतेज परिसर दोनों में समानांतर सत्र आयोजित करने के लिए दो टीमों का गठन किया था। श्री गिरीश पडिया (मुख्य परिसर) और प्रशांत जांगिड़ (थलतेज परिसर) ने विकसित ऑनलाइन सुविधाओं के माध्यम से गतिशील वेबपेज प्रबंधन प्रस्तुत किया। इसके लिए किसी वेब प्रोग्रामिंग भाषा या डेटाबेस के ज्ञान की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने वेबसाइट के लिए भारत सरकार के दिशानिर्देश (जीआईजीडब्ल्यू) सिहत सभी प्रमुख गतिशील वेब कैप्शन, कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क (सीडीएन) के बारे में बताया। उन्होंने वेब सामग्री, मॉडरेशन और अनुमोदन प्रक्रिया पर संबंधित संरक्षक की भूमिका और जिम्मेदारियों को भी समझाया। वेब सामग्री प्रबंधन साझा जिम्मेदारियाँ हैं।

सभी प्रतिभागियों ने गतिशील वेब सामग्री प्रबंधन सॉफ़्टवेयर पर अपने विचार साझा किए और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। सभी प्रतिभागियों सत्र में सक्रिय रूप से संमलित हुए और सीएनआईटी की इस नई पहल की सराहना की। सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने पीआरएल वेबसाइट को नवीनतम जानकारी से अपडेट रखने के लिए सभी पीआरएल सहयोगियों के सामूहिक योगदान की सराहना की। विशेष रूप से, सभी प्रतिभागियों ने (ए) वेबसाइट की सामग्री को हिंदी में बनाए रखने के लिए सुश्री रुमकी दत्ता (बी) पीआरएल के सोशल मीडिया अकाउंट पर समय पर जानकारी प्रकाशित करने के लिए डॉ. भुषित वैष्णव और (सी) वेब एडिमन टीम (श्री प्रशांत, श्री दिनेश और श्री गिरीश) के पीआरएल वेब सामग्री प्रबंधन में स्वचालन के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करने, वेब हमलों से वेब साइट के सुरक्षित सेटअप के लिए प्रयासों की सराहना की है। सीएनआईटी टीम विभिन्न आईटी क्षेत्रों में ऐसी गतिविधियों को शुरू करने के लिए निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए निदेशक, पीआरएल को हार्दिक धन्यवाद देती है। हम रजिस्ट्रार, पीआरएल और डीन, पीआरएल को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। हम आईटी से संबंधित सभी गतिविधियों और परियोजनाओं में उनके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए प्रो. बिजया साहू, प्रो. वरुण शील और प्रो. निमत महाजन को धन्यवाद देते हैं। हम हृदय से उन सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया, अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी और हमें भविष्य में इसी तरह के आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया। हम सभी पीआरएल उपयोगकर्ताओं को उनके सहयोग और मदद के लिए धन्यवाद देते हैं। हम सभी पीआरएल उपयोगकर्ताओं को उनके सहयोग और मदद के लिए भी धन्यवाद देते हैं।

सत्र की विस्तृत रिपोर्ट का श्रोत: https://www.prl.res.in/prl-eng/cc/intranet/chaipebyte

# उ.सौ.वे./पीआरएल, द्वारा आयोजित "हिन्दी पखवाड़ा"

सौजन्य: अभिषेक

उदयपुर सौर वेधशाला, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर में 18 से 27 सितम्बर 2023 के मध्य हिन्दी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में राजभाषा संबंधी कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं के आयोजन किया गया।

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के हिन्दी माह के विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता के साथ-साथ उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर में निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया :

#### 1. हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन कार्यक्रम - सोमवार, 18 सितम्बर, 2023

उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज़्ज्वलन एवं ईश वंदना के साथ हुआ एवं समापन राष्ट्र गान द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में डॉ. अंजू बेनीवाल, सहायक प्रोफ़ेसर, मीरा गर्ल्स कॉलेज, उदयपुर ने हिन्दी भाषा में मानसिक स्वास्थ्य एवं प्रसन्नता का अंतर्सबन्ध विषय पर व्याख्यान दिया ।

व्याख्यान के पश्चात उदयपुर सौर वेधशाला, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर के सदस्यों के लिए मेरा कार्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । मेरा कार्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियो ने अपने क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का विवरण हिन्दी भाषा में प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ भुवन जोशी के द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ ब्रजेश कुमार, अध्यक्ष हिन्दी पखवाड़ा समारोह समिति 2023 उदयपुर सौर वेधशाला के द्वारा किया गया ।

#### 2. हिन्दी शब्द प्रश्नोत्तरी - बुधवार, 20 सितम्बर, 2023

हिन्दी शब्द प्रश्नोत्तरी में हिन्दी भाषा ज्ञान, सामान्य ज्ञान, मुहावरों आदि से संबंधित प्रश्नों का संकलन था । इसमें उदयपुर सौर वेधशाला के समस्त सदस्यों ने प्रतिभागिता की ।

#### 3. आशु भाषण प्रतियोगिता - 25 सितम्बर, 2023

इसमें उदयपुर सौर वेधशाला, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर के सदस्य प्रतिभागियों को उसी समय चयन करने के लिए विभिन्न विषय दिए गए एवं विषय के आधार पर उन्हें निर्धारित समय 3 मिनिट में बोलना था तथा शीर्षक पर बोलने कि तैयारी के लिए 2 मिनिट का समय दिया गया। पहला विषय कठिन लगने पर प्रतिभागियों को अन्य विषय चुनने का केवल एक अवसर प्रदान किया गया।

#### 4. कविता पाठ, गीत गायन एवं पुरस्कार वितरण - बुधवार, 27 सितम्बर, 2023

i) कविता पाठ एवं गीत गायन

इसमें उदयपुर सौर वेधशाला, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर के सदस्यों व उनके परिवार के सदस्यों को कविताएं एवं गीत गायन प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया ।

ii) पुरस्कार वितरण

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कारों का वितरण किया गया |

हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह में उदयपुर सौर वेधशाला, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर के हिन्दी पखवाड़ा समिति के संयोजक श्री राकेश जारोली ने हिन्दी पखवाड़ा के सफल संचालन हेतु समिति के सभी सदस्यों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।



# "सूर्य-ग्रह अंतर्संबंध: एक अंतरिक्ष मौसम परिप्रेक्ष्य" पर इसरो संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम (इसरो-एसटीपी 2023)

पीआरएल ने 25-29 सितंबर 2023 के दौरान "सूर्य-ग्रह अंतर्संबंध: एक अंतरिक्ष मौसम परिप्रेक्ष्य" विषय पर इसरो संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम (इसरो-एसटीपी 2023) आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न इसरो/अं.वि. केंद्रों से एसडी/एसई/एसएफ/एसजी स्तर के कुल 45 वैज्ञानिकों/इंजीनियरों ने भाग लिया। पीआरएल के अलावा इसरो/अं.वि.केंद्रों से 38 प्रतिभागी थे। एसटीपी में व्याख्यानों में सौर परिवर्तनशीलता, अंतरिक्ष मौसम, ग्रहों के वायुमंडल, आयनमंडल, चुंबकमंडल जैसे आकर्षक विषयों और सूर्य-ग्रह की अन्योन्यक्रिया की जांच के लिए उपकरण और मॉडलिंग तकनीकों के महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। निम्नलिखित विषयों के अंतर्गत व्याख्यानों को ध्यानपूर्वक संरचित किया गया था।

1. सूर्य और सौर पवन 2. सूर्य-पृथ्वी अन्योन्यक्रिया और सौर पवन 3. पार्थिवेतर अंतरिक्ष मौसम। 4.भारत के अंतरिक्ष मिशन

अंतिरक्ष मौसम क्षेत्र में चल रहे विकास और आगामी मिशनों पर व्याख्यान दिए गए; प्रतिभागियों को भारत के सौर मंडल अन्वेषण कार्यक्रम पर एक सिंहावलोकन प्रदान करने के लिए विशेष रूप से आदित्य-एल1, चंद्रयान-3, दोहरे उपग्रह एयरोनॉमी मिशन दिशा, और शुक्र और मंगल ग्रह के मिशनों के बारे में व्याख्यान दिये गये। प्रतिभागियों को 8 अलग-अलग टीमों में विभाजित किया गया था और पीआरएल में प्रयोगात्मक और अनुरूपण सुविधाओं का उपयोग करके ऊपर उल्लिखित विषयों पर केंद्रित परियोजनाओं पर काम किया गया था। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि, इस एसटीपी में सभी व्याख्यान पीआरएल वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए थे जो पीआरएल में उपलब्ध विशेषज्ञता की विस्तार को दर्शाता है, जिसे भारत में "अंतिरक्ष अनुसंधान का पालना" कहा जाता है। एसटीपी के एक भाग के रूप में, 26 सितंबर 2023 की शाम को "भारत की जल संसाधन समस्याएं: आइसोटोप फिंगरप्रिंटिंग का महत्व" शीर्षक एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों को 27 सितंबर 2023 की शाम को 'सिद्धांतों की अनिश्चितता' नामक एक विज्ञान आधारित नाटक में ले जाया गया। एसटीपी (28 सितंबर 2023) के चौथे दिन, प्रतिभागियों को साइंस सिटी के अधिकारियों द्वारा आयोजित गुजरात साइंस सिटी में ले जाया गया और कार्यक्रम को नाम दिया गया "इसरो वैज्ञानिकों के साथ एक दिन"। एक्वाटियो गैलरी, रोबोटिक्स गैलरी का दौरा किया गया, जिसके बाद आईमैक्स 3डी फिल्म "लैंडिंग ऑन द मून" देखी गई। प्रतिभागियों ने साइंस सिटी देखने आने वाले छात्रों के शैक्षणिक लाभ के लिए संभावित विकास पर साइंस सिटी प्रशासन को फीडबैक और सुझाव दिए।

अंतिम दिन (29 सितंबर 2023) सभी टीमों ने अपने प्रोजेक्ट कार्य की संक्षिप्त प्रस्तुतियाँ दीं। प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया सकारात्मक थी और उन सभी ने इस एसटीपी के दौरान सीखने की प्रक्रिया का आनंद लिया और वे इस एसटीपी में भाग लेकर बहुत खुश थे।

# ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स पर छात्र सम्मेलन (SCOP-2023 - 27-29 सितंबर, 2023)

ज्ञान और प्रेरणा के शानदार समागम में, फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी स्टूडेंट चैप्टर ने हाल ही में ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स (SCOP 2023 पर छात्र सम्मेलन के एक अविस्मरणीय 8वें संस्करण की मेजबानी की, जिसने उपस्थित लोगों पर एक अमिट छाप छोड़ी।

27-29 सितंबर को आयोजित "SCOP-2023" क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों का स्वागत किया गया, जिससे ज्ञान और नवाचार का एक रोमांचक माहौल तैयार हुआ। पीआरएल के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज, डीन, प्रो. डी. पल्लमराजू और रजिस्ट्रार प्रो. आर.डी. देशपांडे के साथ-साथ सम्मेलन के सभी प्रतिभागियों के विशिष्ट उपस्थित से सम्मेलन की शुरुआत हुई। मुख्य वक्ताओं ने लेजर तकनीक, कांटम ऑप्टिक्स, ऑप्टिकल संचार, नैनो फोटोनिक्स, बायो-फोटोनिक्स जैसे विषयों पर प्रकाश डालते हुए ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स में अत्याधुनिक प्रगति पर प्रकाश डाला।

"पीएच.डी. के बाद अनुसंधान में प्रकाशिकी और फोटोनिक्स के क्षेत्र में कैरियर के अवसर" शीर्षक से एक इंटरैक्टिव पैनल चर्चा में शिक्षा और उद्योग के विशेषज्ञ और विद्यार्थीगण प्रेरक चर्चा में शामिल हुए। छात्रों और शोधकर्ताओं ने सीखने और सहयोग के लिए प्रस्तुतियों और पोस्टर सत्रों के माध्यम से अपने अग्रणी काम को प्रस्तुत करने के अवसर का सदुपयोग किया।

SCOP-2023 के भाग के रूप में, एक विशेष सांस्कृतिक शाम जिसमें पीआरएल के प्रो. गौतम के. सामंता द्वारा "द मैजिक शो", उनके जीवन और करियर को जादुई रूप में दिखाया गया और एक वैज्ञानिक नाटक "द अनसर्टेन्टी ऑफ प्रिंसिपल्स" शामिल था। थिएटर ग्रुप 'कल्याणी मुखोश' - SNBNCBS के वैज्ञानिकों और IISER कोलकाता के संकाय सदस्यों के एक समूह ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह नाटक विज्ञान और संगठित धर्म के बीच संघर्ष को दर्शाता है, और एक युवा वैज्ञानिक की विचारधारा और विचार प्रक्रिया को उस समाज के सामने प्रस्तुत करता है जो अभी भी तर्कहीनता और असुरक्षाओं में गहराई से जकड़ा हुआ है जो जीवन की अप्रत्याशितता के अधीन अधिकांश मानव मस्तिष्क को परेशान करता है।

# उ.सौ.वे./पीआरएल, द्वारा नराकास, उदयपुर सदस्य कार्यालयों हेतु आयोजित "हमारा कार्य प्रतियोगिता"

सौजन्य अभिषेक

हिंदी माह 2023 के अवसर पर, उदयपुर सौर वेधशाला / भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर में "हमारा कार्य" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में प्रतिभागिता हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन सिमिति (नराकास), उदयपुर के अंतर्गत सभी सदस्य कार्यालयों को सादर आमंत्रित किया गया ।

उक्त प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 6 अक्टूबर 2023 को यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर के मुख्य कार्यालय परिसर में किया गया ।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य नगर राजभाषा कार्यान्वयन सिमति, उदयपुर के अंतर्गत अन्य सदस्य कार्यालयों के महत्वपूर्ण कार्यों/गतिविधियों से संक्षेप में परिचित होना था।

कार्यक्रम की शुरुआत यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर के उप प्रमुख (प्रशासन) डॉ. रिमत भट्टाचार्य के स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसके बाद विशिष्ट निर्णायक मण्डल एवं यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर के अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया।





निदेशक, पीआरएल और सहायक निदेशक (राजभाषा), पीआरएल भी ऑनलाइन माध्यम से उक्त कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों और सदस्यों को बधाई दी। निदेशक, पीआरएल ने इस प्रकार के कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए नराकास, उदयपुर और यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर को अपनी शुभकामनाएं दीं।





निदेशक महोदय, पीआरएल के उद्घाटन संबोधन के पश्चात, सुश्री बैरेड्डी रम्या, वैज्ञानिक/अभियंता-एसई, यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर ने माननीय निर्णायक मण्डल का दर्शकों और प्रतिभागियों से परिचय कराया-

#### निर्णायक मंडल

- 1. श्री गिरिराज पालीवाल, सचिव, टीओएलआईसी, उदयपुर
- 2. श्रीमती अंजू बेनीवाल, सहायक प्रोफेसर, मीरा गर्ल्स कॉलेज, उदयपुर, एवं
- 3. डॉ. अंकाला राजा बयाना, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ, उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर उक्त प्रतियोगिता का मूल्यांकन मानदंड चार (4) मापदंडों पर आधारित था –
- अ. विषय वस्तु ब. भाषा स. प्रस्तुति शैली द. समय प्रबंधन



निर्णायकों के औपचारिक परिचय के बाद, श्री अभिषेक, प्रशासनिक अधिकारी, यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर ने प्रतिभागियों को दर्शकों से परिचित कराया और प्रतियोगिता के दिशानिर्देशों से भी अवगत कराया।

### प्रतियोगिता संबंधित आवश्यक नियम एवं शर्तें

- प्रतिभागियों को अपना प्रस्तुतीकरण पावरपाँइंट के माध्यम से प्रस्तुत करना हैं | पावरपाँइंट मे स्लाइड्स की संख्या की कोई सीमा नहीं हैं |
- पावरपॉइंट के प्रथम स्लाइड में विशिष्ट दिशानिर्देशानुसार प्रतिभागी के कार्यालय का नाम, प्रतीक-चिहन, प्रतिभागी का नाम एवं पदनाम अंकित किया जाना है। पावरपॉइंट प्रस्तुति की भाषा <u>"हिंदी"</u> होनी चाहिए|
- 3. प्रत्येक प्रस्तुति का समय 8+2 मिनट रहेगा । 8 मिनट (प्रस्तुतीकरण हेतु) एवं 2 मिनट (प्रश्नोत्तर हेतु)।
- प्रत्येक प्रस्तुति के दौरान 6 मिनट पूर्ण होने पर एक छोटी घंटी बजाई जाएगी एवं 8 मिनट पूर्ण होने पर एक लंबी घंटी बजाई जाएगी।
- 5. प्रतिभागियों का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा निम्न मापदंडों पर किया जाएगा विषय वस्तु 50%, भाषा 25%, प्रस्तुति 15%, समय 10%
- प्रतियोगिता का संचालन समिति द्वारा किया जाएगा ।
- 7. यह समिति ही प्रतियोगिता का अंतिम परिणाम जारी करेगी, जिनका निर्णय सभी के लिए मान्य रहेगा ।

उक्त प्रतियोगिता में, नराकास, उदयपुर के दस (10) सदस्य कार्यालयों के प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की | प्रतिभागियों ने 8 मिनट की पॉवरपॉइंट स्लाइड्स का उपयोग करके अपने कार्यालय के प्रमुख कार्यों/गतिविधियों को हिंदी भाषा प्रस्तुत किया, जिसके बाद में 2 मिनट का प्रश्नोत्तरी दौर चला:-

क्रमांक	प्रतिभागी का नाम	कार्यालय का नाम	
1	अंकित अग्रवाल	भारतीय जीवन बीमा निगम - संभागीय कार्यालय	
2	मनोहर मीना	कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प	
3	शीतल गर्ग	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, महाराणा प्रताप हवाई अड्डा	
4	चारु गोयल	खान सुरक्षा महानिदेशालय	
5	असीम विल्सन जॉन	इंडियन बैंक - आंचलिक कार्यालय	
6	सिद्धार्थ भानावत	क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान	
7	गिरजेश गुप्ता	उदयपुर सौर वेधशाला	
8	राजीव कुमार दुबे	बीईएमएल लिमिटेड	
9	डॉ. दीप्ति पांडेया	केन्द्रीय विद्यालय-2	
10	सुभाष आमेटा	यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया	

कार्यक्रम के अंत में, नराकास, उदयपुर के सचिव श्री गिरिराज पालीवाल ने कार्यक्रम का सारांश दिया और नराकास की भूमिका और आदेशों से संबंधित विभिन्न जानकारी प्रदान की । उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर द्वारा किए गए प्रयास की भी सराहना की।

उक्त कार्यक्रम को नगर राजभाषा कार्यान्वयन सिमति, उदयपुर की अर्धवार्षिक बैठक के दौरान भी सराहना मिली क्योंकि यह पहली बार था जब विभिन्न कार्यालयों को अपना कार्यालयीन कार्य एक मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

### उपरोक्त कार्यक्रम के पुरस्कार विजेताओं की सूची :

क्रमांक सं.	विजेताओं के नाम	कार्यालय का नाम	परिणाम
Sr. No.	Name of the winners	Name of the Office	Result
1.	सुश्री शीतल गर्ग	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	प्रथम
2.	श्री मनोहर मीणा	कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प	द्वितीय
3.	डॉ. गिरजेश गुप्ता	उदयपुर सौर वेधशाला	तृतीय
	श्री अंकित अग्रवाल	भारतीय जीवन बीमा निगम मंडल कार्यालय	सांत्वना
4.	श्री सिद्धार्थ भानावत	क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान	सांत्वना
	सुश्री चारू गोयल	खान सुरक्षा महानिदेशालय	सांत्वना









कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

# हिंदी माह - एक सिंहावलोकन

#### सौजन्य: रुमकी दत्ता

प्रति वर्षानुसार हिंदी दिवस के महत्व एवं गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग एवं अंतिरक्ष विभाग के निर्देशानुसार, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के मुख्य परिसर सिहत अन्य तीनों परिसरों थलतेज, माउंट आबू अवरक्त वेधशाला, उदयपुर सौर वेधशाला में, सितंबर माह के दौरान, हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु हिंदी माह का आयोजन के लिए निदेशक महोदय द्वारा एक सिमित का गठन किया गया था। इस सिमित में विभिन्न वैज्ञानिक प्रभागों एवं सामान्य प्रशासनिक अनुभागों तथा विभिन्न परिसरों से सदस्यों को सिम्मिलत किया गया। इस वर्ष 19 सितंबर 2023 से 14 अक्टूबर 2023 के दौरान हिंदी माह मनाया गया तथा हिंदी माह कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी माह प्रारंभ होने से पूर्व निदेशक, पी.आर.एल. द्वारा सभी स्टाफ सदस्यों को अधिकाधिक कार्यालयीन काम-काज हिंदी में करने की अपील की गई।

हिंदी माह समारोह सिमिति द्वारा विभिन्न रोचक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया एवं इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि सभी भाषा-भाषी कर्मचारी वर्ग तथा उनके परिवार के सदस्यों को भी इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिले।

इस वर्ष हिंदी दिवस का आरम्भ पुणे, महाराष्ट्र से तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के माध्यम से हुआ, एवं इस सम्मेलन की अध्यक्षता स्वयं गृहमंत्री महोदय के संदेश के साथ हुई। देशभर के कार्यालयों से राजभाषा के प्रतिनिधियों ने पुणे के सम्मेलन में पहुंच कर अपने-अपने कार्यालयों का प्रतिनिधित्व किया।

पीआरएल में हिंदी माह समारोह का उद्घाटन कार्यक्रम 19 सितम्बर, 2023 को किया गया जिसमें सर्वप्रथम मंचासीन महानुभवों ने दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की एवं हिंदी माह समिति अध्यक्ष ने सम्पूर्ण हिंदी माह कार्यक्रम की रूपरेखा बताई।

हिंदी माह के दौरान आयोजित कार्यक्रम:-

- 1. मंगलवार, 19 सितम्बर, 2023
- i) उद्घाटन कार्यक्रम हिंदी माह

इस कार्यक्रम में हिंदी माह का उद्घाटन परंपरागत रूप से कार्यालयाध्यक्ष एवं गणमान्यों के संबोधन द्वारा हुआ।

#### ii) कविता पाठ प्रतियोगिता एवं कवि सम्मेलन

पी.आर.एल. के सदस्यों के लिए इस कविता पाठ का आयोजन हुआ। इसमें हिंदी में स्वरचित कविताएं प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया।

कवि सम्मेलन अहमदाबाद के तीन कवियों को आमंत्रित किया गया। आमंत्रित कविगणों ने कविता पाठ प्रतियोगिता के बाद कवि सम्मेलन किया। उन्होंने बहुत ही विविध प्रकृति एवं रस की कविताएं प्रस्तुत की। उनकी कविताओं में मर्म के साथ-साथ व्यंग्य एवं व्यावहारिक जीवन की भी अभिव्यक्ति थी। श्रोताओं ने इस कवि सम्मेलन का आनंद लिया। हिंदी माह के उदघाटन के बाद हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी की गई जिसमें पुस्तकालय द्वारा सभी प्रकार के हिंदी पुस्तक संग्रह का प्रदर्शन किया गया।

- 2. गुरुवार, 21 सितम्बर, 2023
- i) ऑनलाइन हिंदी टंकण प्रतियोगिता

यह पीआरएल के सभी परिसरों के सदस्यों के लिए थी एवं सभी को अपने स्थान से बैठकर ही ऑनलाइन इस प्रतियोगिता में भाग लेने की सुविधा प्रदान की गई।

#### ii) सुलेख प्रतियोगिता

यह केवल पीआरएल के विभिन्न ऑक्सिलरी स्टाफ सदस्यों तथा इस वर्ष की सिमति के सुझाव के अनुसार और साफ-सफाई तथा बागबानी के कॉन्ट्रैक्च्यूअल सदस्यों के लिए आयोजित की गई थी। इसमें लगभग 35 सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

- 3. मंगलवार, 26 सितम्बर, 2023
- i) आशुभाषण प्रतियोगिता

इसमें प्रतिभागियों को उसी समय चयन करने के लिए विभिन्न विषय दिए गए। शीर्षक पर बोलने की तैयारी के लिए 2 मिनट का समय दिया गया। पहला विषय कठिन लगने पर सभी प्रतिभागियों को अन्य विषय चुनने का केवल एक अवसर प्रदान किया गया। इसमें 18 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

#### ii) वाद-विवाद प्रतियोगिता

इसमें एक निर्धारित विषय पर पक्ष अथवा विपक्ष में बोलना था। यह भी बहुत ही रोचक प्रतियोगिता थी। जिसे इस वर्ष नव-स्वरूप में आयोजित किया गया। पक्ष तथा विपक्ष के वक्ताओं को आपस में प्रश्न तथा प्रश्नोत्तरका मौका दिया गया था।

#### 4. हिंदी कहानी लेखन प्रतियोगिता

इस वर्ष एक नई हिंदी कहानी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें पीआरएल सदस्यों के बच्चों (कक्षा 7 से 10 तक के) ने भाग लिया। दिए गए विषयों में से किसी एक पर अपने शब्दों में कहानी लेखन का कार्य दिया गया। इसमें रचनात्मकता का स्वतंत्र रूप से उपयोग किया गया। इसकी शब्द सीमा 200-250 थी। इसमें चित्र शामिल नहीं किए गए। इसमें दो समूह थे - समूह 1 में कक्षा 7-8 एवं समूह 2 में कक्षा 9-10 के बच्चों ने भाग लिया।

कहानी लेखन के विषय थे-

- 1. चांद पर मेरा एक दिन
- 2. मेरा दोस्त रोबोट

बच्चों ने घर से ही यह कहानी लिखी। कुल 07 बच्चों ने प्रतिभागिता की।

#### 5. मंगलवार, 03 अक्टूबर 2023

#### चित्र वर्णन प्रतियोगिता

इसका आयोजन हिंदी एवं हिंदीतर भाषी सदस्यों के लिए था। इस प्रतियोगिता में समय से कुछ मिनट पहले एक चित्र दिया गया। प्रतिभागी द्वारा दिए गए चित्र का वर्णन शीर्षक सहित 300-350 शब्द सीमा के भीतर लिखित रूप में किया गया। यह सभी परिसरों में एक समय पर आयोजित की गई। लगभग 35 सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

#### 6. गुरुवार, 05 अक्टूबर 2023

#### 'हमारा कार्य' प्रतियोगिता

"हमारा कार्य" प्रतियोगिता दो श्रेणियों में - वैज्ञानिक प्रभाग एवं प्रशासनिक/सेवा/सुविधा क्षेत्र के लिए आयोजित की गई। हमारा कार्य प्रतियोगिता के दोनों श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के लिए अलग-अलग पुरस्कार एवं समूह के लिए चल-शील्ड था। इसमें 13 सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र की प्रस्तुतियां दी गईं।

#### 7. शनिवार, 07 अक्टूबर, 2023

#### गायन कार्यक्रम

हिंदी के प्रचार-प्रसार में चलचित्र के संगीत तथा गीत का महित योगदान होता है। इस भूमिका पर पी.आर.एल. के सभी सदस्यों एवं उनके परिवारजनों (सीएचएसएस आश्रित) से प्रतिभागिता आमंत्रित की गई। पी.आर.एल. के सभी सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। इसमें लगभग 30 प्रतिभागियों ने मधुर हिंदी संगीत प्रस्तुत किया जिनमें शास्त्रीय संगीत भी शामिल थे। कुछ सदस्यों ने विभिन्न वाद्य यंत्रों पर भी कुशल प्रदर्शन किया।

#### 8. मंगलवार, 10 अक्टूबर, 2023

#### शब्द प्रश्नोत्तरी

प्रतियोगिता में पी.आर.एल. को विभिन्न समूहों में विभाजित करके हिंदी भाषा ज्ञान, वर्ग-पहेली, सामान्य-ज्ञान, मुहावरों, गानों आदि का चक्र हुआ। यह प्रतियोगिता केवल अहमदाबाद में स्थित प्रभागों/अनुभागों के प्रतिनिधि के साथ की गई। प्रत्येक टीम में 5-5 सदस्य थे। इसमें लगभग 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- 9. शुक्रवार, 13 अक्टूबर, 2023
- i) लघुनाटिका

इसमें विभिन्न वैज्ञानिक/तकनीकी/प्रशासन क्षेत्रों के सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर लघुनाटिका प्रस्तुत की गई। प्रत्येक लघुनाटिका की निर्धारित अविध 10 से 15 मिनट की थी। लघुनाटिका वीडियो के रूप में प्रस्तुत की। सभी प्रभागों/अनुभागों के सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के समसामयिक विषय पर मानवीय एवं सशक्त उपयुक्त संदेश देते हुए नाटिकाओं की वीडियो प्रस्तुति बनाई एवं इस प्रतियोगिता में प्राप्त सभी वीडियो को एक पूर्ण कार्यक्रम के रूप में प्रस्तुत किया गया। सभी सदस्यों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

#### ii) ऑन-स्टेज हिंदी नाट्य प्रस्तुति

इस कार्यक्रम में पीआरएल के सदस्यों द्वारा हिंदी साहित्यिक हिरशंकर परसाई जी के नाटक से प्रेरित होकर हिंदी नाट्य प्रस्तुति दी गई। हिरशंकर परसाई जी हिंदी के मूर्धन्य व्यंग्यकार हैं जिन्हें पढ़ते हुए पाठक महसूस करता है कि इंसान का विवेक और वैज्ञानिक चेतना बहुत महत्वपूर्ण चीज़ें हैं। उन्होंने अपने व्यंग्य लेखन से लोगों को गुदगुदाया और समाज के गंभीर सवालों को भी बहुत सहजता से उठाया। व्यंग्य लेखन से हिंदी साहित्य को समृद्ध बनाने और उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें स्मरण किया जाता है। उनके रचना से प्रेरित होकर हिंदी नाट्य न्यूटन की आत्मा प्रस्तुत की गई। पीआरएल के विभिन्न विभागों से लगभग 30 सदस्यों के समूह स्टेज सज्जा, मेक-अप, लाइट संचालन आदि में भागीदारी से इस नाटिका को अद्वितीय बनाया जिसे दर्शकों की भरपूर सरहना प्राप्त हुई।

# अंतरिक्ष मौसम विज्ञान और अवसर पर कार्यशाला और दूसरा भारतीय अंतरिक्ष मौसम सम्मेलन (ISWC-2)

पीआरएल ने 17-18 अक्टूबर 2023 के दौरान हाइब्रिड मोड में "अंतिरक्ष मौसम विज्ञान और अवसरों पर कार्यशाला" आयोजित की। कार्यशाला का ध्यान उन छात्रों के लिए एरोनॉमी, अंतिरक्ष मौसम और इसके अनुप्रयोगों के बुनियादी सिद्धांतों को प्रस्तुत करने पर केंद्रित था जो दूसरे वर्ष में है या अभी-अभी भौतिकी या संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तर पूरा किया है।

आईआईटी, एनआईटी, आईएसईआर, केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों सिहत विभिन्न संस्थानों के लगभग 300 छात्रों ने इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए अपने उद्देश्य के बारे में एक संक्षिप्त लेख के साथ पंजीकरण कराया। कुल मिलाकर, पंजीकृत छात्रों ने 25 राज्यों में फैले 89 शहरों के 127 शैक्षणिक संस्थानों का प्रतिनिधित्व किया। पीआरएल में व्यक्तिशः भाग लेने के लिए 40 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 45 छात्रों का चयन किया गया था। शेष विद्यार्थी कार्यशाला में ऑनलाइन शामिल हुए। ऊपरी वायुमंडल और अंतरिक्ष मौसम के विभिन्न पहलुओं पर सभी व्याख्यान पीआरएल के संकाय द्वारा दिए गए थे। विषयों में वायुमंडलीय संरचना, मध्यमंडल-आयनमंडल-तापमंडल गतिशीलता, सूर्य, सौर हवा, चुंबकमंडल और अंतरिक्ष मौसम का दैनिक जीवन पर प्रभाव शामिल है। विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया गया जहां अंतरिक्ष मौसम अध्ययन के लिए पीआरएल में विकसित विभिन्न प्रकार के जमीनी और उपग्रह आधारित प्रयोगों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यशाला के बाद 19-20 अक्टूबर 2023 के दौरान "द्वितीय भारतीय अंतिरक्ष मौसम सम्मेलन (आईएसडब्ल्यूसी-2)" का आयोजन किया गया। आईएसडब्ल्यूसी-2, जिसमें हमने आदित्य-L1 और दिशा से डेटा के उपयोग के लिए विज्ञान योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। उच्च ऊंचाई पर अशांत और शांत समय आयनमंडल-तापमंडल सिस्टम) मिशन का उद्घाटन श्री ए.एस. किरण कुमार, अध्यक्ष, पीआरएल प्रबंध परिषद और सदस्य, अंतिरक्ष आयोग द्वारा किया गया था।

अंतरिक्ष मौसम विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में राष्ट्र के शिक्षा जगत के व्यापक समुदाय के साथ जुड़ने के लिए, अन्य संस्थानों की भागीदारी को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया था। कुल मिलाकर, आईएसडब्ल्यूसी-2 में 68 गैर-अं.वि. संस्थानों के 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। आदित्य-L1 और

दिशा मिशनों पर विभिन्न पेलोड के प्रधान जांचकर्ताओं को प्रत्येक पेलोड से उपकरणों और डेटा उत्पादों पर प्रस्तुतियां देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके बाद भारत भर के संस्थानों के वैज्ञानिकों और अनुसंधान विद्वानों ने चर्चा में योगदान दिया। निम्नलिखित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया: 1) आदित्य-L1 मिशन; 2) दिशा मिशन 3) सौर पवन प्रक्रियाएं; 4) मैग्नेटोस्फीयर और एमआई कपलिंग; 5) अंतरिक्ष मौसम प्रभाव और भू-चुंबकीय तूफान; 6) आयनमंडलीय प्रक्रियाएं; 7) वायुमंडल-आयनमंडल युग्मन।

सम्मेलन के अंत में, कार्यशाला और सम्मेलन में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए पीआरएल संकाय और अंतरिक्ष मिशन के आमंत्रित वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यानों की उनकी समझ पर एक परीक्षा आयोजित की गई और ऑफलाइन और ऑनलाइन के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए।

अंतरिक्ष मौसम कार्यशाला और ISWC-2 में कई नए तत्व प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने इसकी शानदार सफलता में योगदान दिया, इनमें से एक हमारे संस्थान के विशेषज्ञों,पीआरएल के पोस्ट-डॉक्टरल फेलो और विशेष अनुसंधान फेलो द्वारा वास्तविक समय में उनके प्रश्नों की श्रृंखला का उत्तर देकर ऑनलाइन चैट के माध्यम से ऑनलाइन प्रतिभागियों के साथ जुड़ना था। इस तरह के आयोजन अंतरिक्ष मौसम अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और देश में क्षमता निर्माण में योगदान करते हैं।



# पीआरएल में गरबा उत्सव

सौजन्य: हर्षा परमार

नवरात्रि, जिसका शाब्दिक अर्थ है "नौ रातें", एक त्योहार है जो माँ दुर्गा – "देवत्व के स्त्री रूप और उसके नौ रूपों" को समर्पित है। यह त्यौहार कई तरीकों से मनाया जाता है, जिनमें से प्रत्येक भारत के हर उस क्षेत्र के लिए यह अद्वितीय है जहां यह मनाया जाता है। नवरात्रि के दौरान गरबा किया जाता है, जो दुनिया का सबसे लंबा और सबसे बड़ा नृत्य उत्सव है।

दिनांक 27.10.2023 को कर्मचारी कल्याण सिमित द्वारा पीआरएल थलतेज परिसर में गरबा उत्सव का आयोजन किया गया। पीआरएल सदस्यों ने अपने परिवार के साथ पारंपरिक परिधान पहनकर गरबा में भाग लिया। उत्सव की शुरुआत देवी नवदुर्गा की पूजा-अर्चना से हुई और बाद में गरबा हुआ। हर कोई गरबा की धुन पर नृत्य करता और आनंद लेता नजर आया। अंत में विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार वितरण किया गया।



कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

# राष्ट्रीय एकता दिवस पर यूनिटी/एकता रैली

सौजन्य: हर्षा परमार

राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती मनाने के लिए की गई एक पहल है। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात में हुआ था।

राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) हमारे देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए वास्तविक और संभावित खतरों का सामना करने के लिए हमारे राष्ट्र की अंतर्निहित ताकत और लचीलेपन की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है।

यह वर्ष स्वतंत्रता सेनानी की 148वीं जयंती है। सरदार पटेल ने 560 से अधिक रियासतों से भारत (एक भारत) के एकीकरण में प्रमुख भूमिका निभाई।

राष्ट्र को एकजुट करने में उनके प्रयासों को मान देने के लिए, भारत उनकी जन्म जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

31 अक्टूबर, 2023 को पीआरएल का अमृत व्याख्यान के बाद, इस गतिविधि की शुरुआत एक शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई जिसने सभी के बीच एकता की भावना जागृत की।

पीआरएल सदस्यों ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने और देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का संकल्प लिया।

इसके अलावा, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के लिए, पीआरएल मुख्य परिसर में के.आर. रामनाथन ऑडिटोरियम से शुरू होकर मुख्य द्वार पर विक्रम साराभाई की प्रतिमा से वापस प्रशासन लॉन तक यूनिटी /एकता रैली का आयोजन किया गया।

पीआरएल सदस्य (स्थायी स्टाफ सदस्य, रिसर्च स्कॉलर्स, प्रोजेक्ट एसोसिएट्स, पोस्ट-डॉक्टरल फेलो, प्रशिक्षु, संविदा ने इसमें भाग लिया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम ने सभी पीआरएल सदस्यों के बीच "एकता" की भावना को बढ़ाया।









कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

## "मेटियोरोइड्स, मेटियोर्स एंड मेटियोराइट्स: मेसेंजर्स फ्रॉम स्पेस" पर तीसरी संगोष्ठी

"मेटमेस-2023 पर तीसरी संगोष्ठी 1 से 3 नवंबर, 2023 के दौरान पीआरएल मुख्य परिसर में आयोजित की गई। सौर मंडल के गठन और विकास के बारे में हमारी समझ को समृद्ध करने वाले विषय थे। संगोष्ठी में प्रमुख शोधकर्ताओं को विभिन्न विषयों पर अपने नवीनतम परिणाम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। संगोष्ठी में कई शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें विश्वविद्यालय, CSIR प्रयोगशालाएं, NISER, IISER, IIST, GSI और इसरो शामिल हैं। |संगोष्ठी में नौ सत्र थे, प्रारंभिक सौर मंडल गठन प्रक्रिया, चंद्रयान मिशन, ठोस पदार्थों में प्रघात प्रभाव, मंगल ग्रह के उल्कापिंड, एकॉन्ड्राइट, एनालॉग अध्ययन, नमूना वापसी मिशन और क्यूरेशन, उल्कापिंड संग्रह और क्षेत्र अध्ययन, धूल, उल्कापिंड और धूमकेतु, खगोल जीव विज्ञान और ऑर्गेनिक्स। इस संगोष्ठी में निम्न प्रस्तुतियां थीं-

- 1. भारत में नवीनतम उल्कापिंड पतन के परिणाम
- 2. चंद्रयान 3 लैंडर और रोवर पेलोड पर वैज्ञानिक कार्य
- 3. ऑनलाइन मोड के माध्यम से मंगल ग्रह में नोबल गैसों पर एक विशेष व्याख्यान यह संगोष्ठी उपरोक्त वैज्ञानिक क्षेत्र में शोधकर्ताओं को चर्चा के लिए एक मंच पर एक साथ लाने में सफल रही।



# इंटर सेंटर स्पोर्ट्स मीट (आईसीएसएम), हैदराबाद

सौजन्य: प्रदीप के शर्मा

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) हैदराबाद ने हैदराबाद में इंटर सेंटर स्पोर्ट्स मीट (आईसीएसएम) की मेजबानी की है। यह आयोजन दो चरणों में हुआ, जिनमें से दोनों ने समग्र अनुभव की जीवंतता में योगदान दिया।

चरण ।: आउटडोर गेम्स (16.11.2023 से 20.11.2023) में पीआरएल के 14 समर्पित सदस्यों (दल प्रबंधक सिहत) की सिक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने एथलेटिक्स, ट्रैक और फील्ड में अपना कौशल दिखाया। इस बीच, चरण ॥: इंडोर गेम्स (23.11.2023 से 26.11.2023) में 28 सदस्यों (1 दल प्रबंधक सिहत) की एक मजबूत दल ने टेबल टेनिस, बैडिमंटन, शतरंज, कैरम और ब्रिज में उत्साहपूर्वक प्रतिस्पर्धा की।

उत्साही पीआरएल दल ने न केवल तीव्र जोश का प्रदर्शन किया, बिल्क एकता और खेल कौशल की उल्लेखनीय भावना का भी प्रदर्शन किया, जो इस तरह के सहयोगात्मक आयोजनों में निहित मूलभूत मूल्यों को दर्शाता है। उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता दोनों चरणों में स्पष्ट थी।

#### उल्लेखनीय उपलब्धियाँ:

#### प्रथम चरण:

- 100 मीटर दौड़ (महिला ओपन): सुश्री श्रेया मिश्रा ने अपनी असाधारण एथलेटिक क्षमताओं को दर्शाते हुए प्रतिष्ठित तीसरा पुरस्कार कांस्य पदक हासिल किया।
- सुश्री श्रेया मिश्रा और श्री विनायक ने विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

#### द्वितीय चरण:

• बैडिमंटन (महिला एकल): सुश्री बैरेड्डी रम्या ने तीसरा स्थान कांस्य पदक हासिल करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जो इस इवेंट श्रेणी में पीआरएल के लिए पहली बार पोडियम फिनिश है।

- टेबल टेनिस पुरुष डबल्स: डॉ. गौतम कुमार सामंता और श्री अतुल ए. मानके ने तीसरा स्थान कांस्य पदक जीता, जबिक डॉ. आर. पी. सिंह और श्री अनिर्बान घोष ने चौथा स्थान हासिल किया। द्वितीय जोड़ी अगले इनडोर इवेंट में वरीयता के लिए पात्र बनी रहेगी।
- ब्रिज: ब्रिज टीम ने फोर डुप्लिकेट और प्रोग्रेसिव/बोर्ड ए मैच दोनों टीमों की स्पर्धाओं में तीसरा स्थान कांस्य पदक हासिल करके पीआरएल को गौरवान्वित किया।
- ब्रिज टीम के सदस्य: आलोक श्रीवास्तव, तेजस एन सरवैया, सोमा कोटेड, दिनेश मेहता, प्रदीप के शर्मा।
- मास्टर पेयर इवेंट में सोमा कोटेड और दिनेश मेहता की जोड़ी ने चौथा स्थान हासिल किया, जबकि आलोक श्रीवास्तव और तेजस सरवैया ने 5वां स्थान हासिल किया।

पीआरएल दल ने न केवल असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि आउटडोर और इनडोर खेलों की विविध श्रृंखला में एकता और खेल कौशल का भी उदाहरण दिया। प्रतिभागियों ने स्थापित नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन करते हुए पूरे आयोजन में सराहनीय अनुशासन का प्रदर्शन किया, जिससे निष्पक्ष और खेल-कूद का माहौल सुनिश्चित हुआ।













स्पोर्ट्स मीट की कुछ तस्वीरें

# पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (PARV)

सौजन्य: प्रदीप के शर्मा

"पीआरएल अमृत राजभाषा व्याकरण (PARV)" का छठा व्याख्यान 22 नवंबर, 2023 को आयोजित किया गया था। डॉ. अरविंद सी रानडे, निदेशक, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, गांधीनगर ने इस कार्यक्रम को प्रसिद्ध वक्ता के रूप में सम्मानित किया। व्याख्यान का विषय था "तृणमूल नवप्रवर्तन एवं नवप्रवर्तक – आत्मिनर्भर भारत की पहचान (राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान का सफर और सफल प्रयास)" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अरविंद सी रानडे ने अपने व्याख्यान के दौरान चरणबद्ध कार्यशैली पर जोर दिया, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्य क्षेत्रों और उपलब्धियों जैसे पेटेंट, पौधों की किस्मों का पंजीकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, प्रौद्योगिकी विकास, प्रसार और प्रसार पर विस्तार में चर्चा की गई। इसके साथ ही उन्होंने नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के प्रयासों से छात्रों, तृणमूल नवप्रवर्तकों, पारंपरिक ज्ञान धारकों और जनमानस के जीवन में आ रहे महत्वपूर्ण बदलावों और भारत को आत्मनिर्भर बनाने में इन नवाचारों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

एक प्रेरणादायक प्रश्न-उत्तर सत्र द्वारा श्रोताओं को विषय के बारे में अधिक जानने और बातचीत के बाद व्यक्तिगत अंतर्दृष्टि विकसित करने का अवसर मिला।





कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

### गुजरात राज्य स्तरीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी 2023 - अवलोकन

सौजन्य: रुमकी दत्ता

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद द्वारा गुजरात राज्य स्तरीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी- 2023 का आयोजन दिनांक 24 नवम्बर, 2023 को किया गया। इसका मुख्य विषय था: "नवीन विचार और पहल"। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री यशवंत यू. चव्हाण, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, गुजरात थे। उन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं संबोधन से सभी को राजभाषा में कामकाज करने के लिए प्रोत्साहित किया। पीआरएल के निदेशक, प्रो. अनिल भारद्वाज राजभाषा के कार्यों को हर प्रकार से बढ़ावा देते हैं, एवं हर संभव सहयोग देते हैं। इस संगोष्ठी के लिए गुजरात के विभिन्न कार्यालयों से लेख प्राप्त हुए एवं उनकी पावरपाँइंट प्रस्तुतियां दी गईं, इन लेखों के विषय निम्न हैं:

क्रमांक	विषय	प्रतिभागी का नाम
1.	इसरो की परियोजनाओं में स्पेस स्टार्टअप की भूमिका और स्वदेशीकरण	श्री रंजन परनामी, सैक
2.	आर एफ आई डी (रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान) टैग्स तकनीक (कृष्णा मदद करो) से पीड़ित नारी की मदद प्रणाली	सुश्री नेहा गौर, सैक
3.	नैनो पदार्थों का अंतरिक्ष अभियानों में उपयोग	श्री योगेश घोटेकर, सैक
4.	साफ्टवेयर परिभाषित उपग्रह : अवधारणा, अवसर एवम् चुनौतियाँ	श्री जे. पी. सिंह, सैक
5.	स्मार्ट वॉटर मीटर ऐप	श्री शुभम गुप्ता, राष्ट्रीय जल
		विकास् अभिकरण, वलसाड
6.	शब्दावली वार्तालाप एप्लीकेशन	श्री राजेन्द्र गायकवाड़, सैक
7.	अंतःस्थापित निष्क्रिय तकनीक- ईपीटी	श्री दीपक अग्रवाल, सैक
8.	आईटी परिसंपत्तियों की सूची प्रबंधन	श्री गिरीश पड़िया, पीआरएल
9.	साइबर-सुरक्षा एवं व्यक्ति विशेष	श्री प्रशांत जांगिड़, पीआरएल
10.	ऑप्टिकल डोमेन संपीडन आधारित कैमरा: अभिकल्पना एवं विकास	श्री जितेंद्र कुमार, सैक
12.	मुद्रित इलेक्ट्रॉनिक्स : अंतरिक्ष अन्वेषण में नवाचार	श्री दिनेश अग्रवाल, सैक
13.	कार्टोग्राफिक कैमेरा के अग्र छोर इलेक्ट्रोनिकी के विकास में आधुनिकतम श्री अमरना अति सूक्ष्म कनेक्टरों तथा फ्लेक्सी रिजिड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड की महत्त्वपूर्ण भूमिका	
14.	जल संरक्षण नवीन प्रयास	श्री अर्पण बाजपेयी, सेंट्रल बैंक
15.	हिमालय में भूवैज्ञानिक समय से बाढ़, जंगलों की आग, जलवायु बदलाव और इंसानी दखल की समझ	डॉ. शुभ्रा शर्मा, पीआरएल
16.	संस्थागत कैंटीनों के संबंध में पहल और नवाचार/नवीनता: PRL कैंटीन	श्रीमती ऋचा
	का एक मामला अध्ययन	
17.	अंतरिक्ष एवं ग्रहों पर मानव की आभासी उपस्थिति	श्री प्रशांत गुप्ता, सैक
18.	अंतरिक्ष अन्वेषण में नवीन विचार और पहल	श्री योगेश पार्थ, सैक









कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें



**आ**2त 2023 INDIA

वसुधेव कुरुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

## संविधान दिवस

#### सौजन्य: आ. का. अ. म. समिति

भारत सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि हमारे संविधान को अपनाने के दिन के उपलक्ष्य में हर साल "संविधान दिवस" मनाया जाएगा। अंतरिक्ष विभाग, बेंगलुरु से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, 26 नवंबर 2023 को पीआरएल में संविधान दिवस के रूप में मनाया जाना है।

पीआरएल में संविधान दिवस, गुजरात राज्य स्तरीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह के दौरान शुक्रवार, 24 नवंबर 2023 (25-26 नवंबर को सप्ताहांत) को मनाया गया।

इस अवसर पर, 24.11.2023 (शुक्रवार) को के.आर. रामनाथन सभागार में सभी पीआरएल सदस्यों और सेमिनार के प्रतिभागियों द्वारा "संविधान की प्रस्तावना" का वाचन किया गया।





कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें



## यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम-2013 के संबंध में पीआरएल-आइसीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम

सौजन्य: रुमकी दत्ता

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद में आंतरिक शिकायत सिमित द्वारा दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को Prevention of Sexual Harassment Act-2013 के ऐतिहासिक फैसले और उसके 10 वर्ष पूरे होने पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पीआरएल-आइसीसी अध्यक्ष डाॅ. शीतल पटेल के भाषण के साथ हुआ जिन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी सदस्यों को PoSH अधिनियम -2013 के बारे में बताया। इसके बाद प्रो. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल ने स्वागत भाषण दिया एवं कार्यक्षेत्र का माहौल भयमुक्त एवं सभी कर्मचारियों के अनुकूल बनाए रखने के प्रति जागरूक किया। प्रो. आर.डी. देशपांडे, रजिस्ट्रार पीआरएल, ने सभी सदस्यों को आइसीसी के महत्त्व से परिचित करवाया। इस कार्यक्रम में उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर व अवरक्त वेधशाला, आबू पर्वत के सदस्य भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुये। इस कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता PoSH ट्रेनर विशेषज्ञ, डाॅ. कृष्णा बिपिन मेहता थीं जिनका परिचय प्रो. सोम कुमार शर्मा ने करवाया। डाॅ. कृष्णा मेहता ने कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों के साथ होने वाली अभद्रताओं एवं इसके विरुद्ध शिकायत के लिए बनायी गयी आंतरिक शिकायत समिति के बारे में बताया। यह आंतरिक शिकायत समिति उन सभी कार्यालयों में बनायी जानी आवश्यक है जहां 10 या 10 से अधिक कर्मचारी कार्य करते हैं।

इसके अतिरिक्त कार्यस्थल पर PoSH अधिनियम और आइसीसी पर जागरूकता के बारे में ऑडियो प्ले के माध्यम से सभी सदस्यों को जागरूक किया गया। निदेशक, पीआरएल द्वारा डॉ. कृष्णा मेहता को स्मृति-चिह्न भेंट किया गया। पीआरएल की आंतरिक शिकायत सिमिति द्वारा दिनांक 09 अक्टूबर 2023 को एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई थी जिसके विजेता सदस्यों को निदेशक महोदय के कर-कमलों द्वारा प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मेघा भट्ट द्वारा किया गया।



क्रमांक	नाम	पुरस्कार	प्रभाग
1.	सुश्री सना अहमद	प्रथम	पी.एस.डी.एन.
2.	श्रीमती सृष्टि शर्मा	द्वितीय	सी.एन.आइ.टी.
3.	श्रीमती अमी पटेल	द्वितीय	लेखा
4.	सुश्री चित्रा राघवन	तृतीय	एस.पी.ए.एस.सी.
5.	श्री संदीप बी. मंगलानी	तृतीय	निदेशक कार्यालय
6.	सुश्री ज्योति लिम्बात	तृतीय	रजिस्ट्रार कार्यालय

आइसीसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी के विजेता





कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

# क्रिसमस एवं नव वर्ष 2024 समारोह

#### सौजन्य: अभिषेक

दिनांक 22 दिसंबर 2023 को यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर में कर्मचारी कल्याण सिमित के तत्वावधान में क्रिसमस एवं नव वर्ष 2024 समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त समारोह यूएसओ/पीआरएल के स्टाफ सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। रंगीन सजावट एवं टिमटिमाती रोशनी ने सभी आगंतुकों का उत्साह बढ़ाया और उत्सव का माहौल तैयार कर दिया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी स्टाफ सदस्य एवं उनके परिवार के सदस्यों की सहभागिता एवं मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम के दौरान म्यूजिकल चेयर, टैलेंट शो, गीत-संगीत, कविता एवं जीवंत डांस फ्लोर जैसी कई तरह की गतिविधियों का आयोजन किया गया। छोटे बच्चे क्रिसमस को लेकर काफी आनंदित एवं उत्साहित थे क्योंकि उन्हें क्रिसमस उपहार भी मिले। विविध मेनू के साथ उत्सव की रात्रिभोज ने सभी को आनंद से भर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को क्रिसमस एवं नव वर्ष 2024 की शुभकामनाएं दीं और प्रार्थना किया कि आने वाला नव वर्ष 2024 लोगों के जीवन से सभी नकारात्मकता और अंधकार को दूर कर दे।











कार्यक्रम की झलकियां

### पीआरएल में गणतंत्र दिवस समारोह - 26 जनवरी 2024

सौजन्य: हर्षा परमार

गणतंत्र दिवस भारत के संविधान को अपनाने का प्रतीक है। यह राष्ट्रीय गौरव का दिन है। 75वां गणतंत्र दिवस शुक्रवार, 26 जनवरी, 2024 को पीआरएल थलतेज परिसर में मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। पीआरएल परिवार को अपने संबोधन में निदेशक ने वर्ष के दौरान पीआरएल द्वारा प्राप्त विभिन्न घटनाओं, गतिविधियों, उपलब्धियों, आदि के बारे में अवगत कराया। प्रथानुसार, सीआईएसएफ को 3 (तीन) योग्यता पुरस्कार दिए गए। पीआरएल में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले 2 (दो) पीआरएल सदस्यों को भी सेवा पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके बाद वर्ष 2023 में 10वीं कक्षा में हिंदी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले पीआरएल स्टाफ के बच्चों को सम्मानित किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, बच्चों और पीआरएल परिवार के सदस्यों द्वारा तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए। नए शामिल हुए पीआरएल सदस्यों, इस वर्ष के सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों और अन्य पीआरएल सदस्यों द्वारा परिसर के मैदान में वृक्षारोपण किया गया। उसके बाद, ASTAS और PSDN के बीच फुटबॉल टूर्नामेंट के बीच फाइनल मैच खेल गया, जिसका दर्शकों ने आनंद लिया।







कार्यक्रम की झलकियां

# इंटर-एरिया फूटबॉल टूर्नामेंट

#### सौजन्यः सोनम जीतरवाल

इंटर-एरिया फूटबॉल टूर्नामेंट 3 जनवरी 2024 से 26 जनवरी 2024 तक आयोजित की गई थी। इसका फाइनल "ग्रहीय विज्ञान प्रभाग" और "खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी प्रभाग" के बीच 26 जनवरी 2024 को हुआ था। खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी प्रभाग ने फाइनल जीता।



फूटबॉल टूर्नामेंट की झलकियां

### परमविक्रम-1000 HPC पर तृतीय सीएनआइटी प्रभाग नुक्कड़ -"चाय पे बाइट"

सौजन्य: जिगर रावल

कंप्यूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी (CNIT) प्रभाग नुक्कड़ तृतीय - "परमविक्रम-1000 HPC पर चाय पे बाइट" का आयोजन 30 जनवरी, 2024 को 14:45 बजे से 16:00 बजे के दौरान हाइब्रिड मोड में किया गया था। सत्र में विभिन्न प्रभागों/अनुभागों से 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सत्र में 80% चर्चा हिंदी में और 20% चर्चा अंग्रेजी में हुई।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य अनुभव और ज्ञान साझा करना, उपयोगकर्ताओं की आइटी से संबंधित समस्याओं को समझना, उनके संभावित समाधान ढूंढना और सीएनआइटी प्रभाग और पीआरएल सहकर्मियों के बीच समग्र संबंध को दृढ़ करना है, जिससे पीआरएल आइटी की समग्र सेवाएँ/सुविधाएँ कार्यप्रणाली में सुधार होगा।



चाय पे बाइट बैठक की झलकियां

श्री जिगर रावल ने सीएनआइटी कंप्यूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी (CNIT) प्रभाग नुक्कड़ तृतीय-"परमिवक्रम-1000 HPC पर चाय पे बाइट" सत्र में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस पहल के उद्देश्य और निर्धारित विषय परम विक्रम-1000 के बारे में जानकारी दी। दूसरे यूज़र इंटरएक्टिव मीट का मुख्य उद्देश्य अनुभव और ज्ञान साझा करना, HPC के उपयोगकर्ताओं की समस्याओं (यदि कोई हो) को समझना और उनका समाधान करने में मदद करना था। इसके अतिरिक्त, नए उपयोगकर्ताओं को पीआरएल की उपलब्ध उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग सुविधाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित और जागरूक किया गया, ताकि परम विक्रम-1000 HPC को अधिक प्रभावी और कुशल रूप से उपयोग किया जा सके।

सीएनआइटी के श्री वैभव राठौड़, वैज्ञानिक/इंजीनियरिंग-एस.डी., ने बताया कि एप्लिकेशन को चलाने और लाइब्रेरी निर्भरता को दूर करने के लिए परम विक्रम-1000 HPC पर कॉन्डा का उपयोग कैसे करें, जो एप्लिकेशन को चलाने के लिए आवश्यक हैं। कॉन्डा को एक मॉड्यूल के रूप में स्थापित किया गया है, इसलिए सभी HPC उपयोगकर्ता को अपने होम डायरेक्टरी में स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। हालाँकि, किसी विशिष्ट आवश्यकता के लिए, वे इसे अपनी होम डायरेक्टरी में स्थापित कर सकते हैं। सभी प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए और परमविक्रम-1000 HPC पर बहुमूल्य प्रतिक्रिया दिए। सभी प्रतिभागियों ने सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया और सीएनआइटी की नई पहल की सराहना की।



# "भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत"

लेखक: अर्जुन कुमार घांची

### "सरकार जब भी 1 रुपया खर्च करती है तो लोगों तक 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं' - स्वर्गीय राजीव गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत

भ्रष्टाचार देश की सम्पत्ति का आपराधिक दुरुपयोग है। भ्रष्टाचार' का अर्थ है- 'भ्रष्ट आचरण अर्थात् नैतिकता और कानून के विरुद्ध आचरण" और जब कोई व्यक्ति व्यवस्था के सामान्य नियम/नियमों के विरूद्ध जाकर अपने स्वार्थपूर्ति हेतु आचरण करने लगता है, तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है।

देश उसके नागरिको से मिलकर बनता है। यद्यपि भ्रष्टाचार व्यक्ति विशेष के आचरण से सम्बन्धित घटना है, तथापि यह किसी व्यवस्था में परम्परा के रुप में विकसित हो जाए तो यह नागरिकों के सामान्य जीवन का हिस्सा बन जाता है तो यह राष्ट्र की नींव को निरंतर कमजोर करता रहता है। भारत में भी इसी प्रकार की परंम्परा ब्रिटिश साम्राज्य की देन है, जो हमें प्लासी के युद्ध 23 जून 1757 के बाद अंग्रेजों द्वारा बनाया गए कठपुतली शासक मीरजाफर के शासन काल में दृष्टिगत होती है।

यद्यपि भारत सनातन काल से नैतिक रुप से समृद्ध राष्ट्र रहा है। वर्तमान में भ्रष्टाचार रुपी दीमक न सिर्फ नैतिकता बल्कि यह राष्ट्र की समृद्धि एवं विकास में भी मूल बाधक तत्व के रुप में उभरकर सामने आ रहा है। स्वतंत्रता के बाद से लेकर वर्तमान तक भ्रष्टाचार की समस्या ने विकराल रुप ले लिया है। देश के हर क्षेत्र में और देश के हर स्तर पर भ्रष्टाचार का प्रचलन है। सरकार और साथ ही निजी क्षेत्र के लोगों द्वारा कई बड़े और छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए भ्रष्ट मार्गों और अनुचित तरीकों का उपयोग किया जाता है। इसका एक कारण यह है कि लोग कड़ी मेहनत किए बिना बड़ी रकम पाना चाहते हैं लेकिन हम ऐसी बुरी प्रथाओं को प्रयोग में लाकर कहां जा रहे हैं? निश्चित रूप से विनाश की ओर हम में से हर एक को किसी भी प्रकार का भ्रष्ट व्यवहार नहीं करना चाहिए। यह भ्रष्टाचार मुक्त विकसित भारत के निर्माण में पहला कदम होगा।

"रिवन्द्र नाथ टैगोर ने हमें लालच से दूर रहने के प्रति आगाह किया था, क्योंकि यह हमें सच का एहसास नहीं होने देता । भ्रष्टाचार के प्रति लडना हमारी जनता के प्रति हमारा पवित्र कर्त्तव्य है....... ......भ्रष्टाचार का असर गरीबों तथा वंचित तबकों के लोगों पर पड़ता है"

श्रीमान् नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत

कार्यक्रमः G20 भ्रष्टाचार विरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक, कोलकत्ता

• भारत में भ्रष्टाचार के पीछे के कारण:

#### "मैं किसी को गंदे पैरों के साथ अपने दिमाग से नहीं गुजरने दुंगा"

#### महात्मा गांधी, राष्ट्रपिता

1.पारदर्शिता की कमी: सरकारी प्रक्रियाओं, निर्णय लेने और सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता की कमी भ्रष्ट आचरण के लिये अधिक अवसर प्रदान करती है। जब कार्यों तथा निर्णयों को सार्वजनिक जाँच से बचाया जाता है, तो अधिकारी जोखिम के कम डर के साथ भ्रष्ट गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं।

- 2.कमज़ोर संस्थाएँ और अप्रभावी कानूनी ढाँचे: कानूनों और विनियमों को लागू करने के लिये ज़िम्मेदार भारत की कई संस्थाएँ या तो कमज़ोर हैं या समझौतावादी हैं। इसमें कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ, न्यायपालिका और निरीक्षण निकाय शामिल हैं। कमज़ोर संस्थाएँ भ्रष्ट व्यक्तियों को जवाबदेह ठहराने में विफल हो सकती हैं तथा यहाँ तक कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा भी दे सकती हैं।
- (i) भ्रष्ट व्यक्तियों को अपर्याप्त सज़ा के कारण दंड से मुक्ति की धारणा भ्रष्टाचार को और अधिक बढ़ावा दे सकती है। भ्रष्ट आचरण वाले व्यक्तियों को जब यह विश्वास हो जाता है कि वे दंड से बच सकते हैं, तो उनके इसमें शामिल होने की संभावना अधिक हो जाती है।

3.कम वेतन और प्रोत्साहन: सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों, विशेषकर निचले स्तर के पदों पर बैठे लोगों का कम वेतन उन्हें रिश्वतखोरी और भ्रष्ट आचरण के प्रति अधिक संवेदनशील बना सकता है, क्योंकि वे भ्रष्टाचार को अपनी आय के पूरक के साधन के रूप में देखते हैं।

4.नौकरशाही/लालफीताशाही: लंबी और जटिल नौकरशाही प्रक्रियाएँ तथा अत्यधिक नियम व्यक्तियों एवं व्यवसायों को प्रक्रियाओं में तेज़ी लाने या बाधाओं को दूर करने के लिये भ्रष्ट आचरण में शामिल होने हेतु प्रेरित कर सकते हैं।

(i) भारत का जटिल आर्थिक वातावरण, जिसमें विभिन्न लाइसेंस, परिमट और अनुमोदन शामिल हैं, भ्रष्टाचार के अवसर पैदा कर सकते हैं। व्यवसाय इस माहौल से निपटने के लिये रिश्वतखोरी का सहारा ले सकते हैं।

#### प्रमुख घोटालो की सूची

- 1. विजय माल्या- रु. 9000 करोड़
- 2. कोलगेट घोटाला रु. 1.86 लाख करोड़
- 3. 2 जी स्पेक्ट्रम घोटाला रु. 1,76,000 करोड़
- 4. कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला रु. 70,000 करोड़
- 5. बोफोर्स घोटाला रु. ६४ करोड़
- 6. पीएनबी बैंक धोखाधड़ी रु. 11,400 करोड़
- 8. हवाला घोटाला \$18 मिलियन
- 9.सत्यम घोटाला रु. 14,000 करोड़

**5.राजनीतिक हस्तक्षेप**: प्रशासनिक मामलों में राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते सरकारी संस्थानों को अपनी स्वायत्तता से समझौता करने को मजबूर होना पड़ सकता है। राजनेता व्यक्तिगत या पार्टी लाभ के लिये अधिकारियों पर भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने का दबाव डाल सकते हैं।

6.सांस्कृतिक कारक: कुछ संदर्भों में भ्रष्ट आचरण की सांस्कृतिक स्वीकृति हो सकती है, जो भ्रष्टाचार को कायम रखती है। यह धारणा कि "हर कोई ऐसा करता है" व्यक्तियों को नैतिक रूप से समझौता किये बिना भ्रष्टाचार में शामिल होने के लिये प्रेरित कर सकता है।

7. व्हिसलब्लोअर की सुरक्षा का अभाव: व्हिसलब्लोअर की अपर्याप्त सुरक्षा व्यक्तियों को भ्रष्टाचार की रिपोर्ट करने से रोक सकती है। संभावित प्रतिशोध का डर मुखबिरों को चुप रहने को मजबूर करने के साथ ही भ्रष्टाचार को पनपने में सहायक हो सकता है।

8.सामाजिक असमानता: सामाजिक और आर्थिक असमानताएँ भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकती हैं, क्योंकि धन और शक्ति वाले व्यक्ति अपने प्रभाव का उपयोग अधिमान्य उपचार प्राप्त करने तथा बिना किसी परिणाम (Without Repercussions) के भ्रष्ट आचरण में संलग्न होने के लिये कर सकते हैं।

#### भ्रष्टाचार का प्रभाव:

#### • लोगों और सार्वजनिक जीवन परः

1. सेवाओं में गुणवत्ता की कमी: भ्रष्टाचार वाली प्रणाली में सेवा की कोई गुणवत्ता नहीं होती है। गुणवत्ता की मांग करने हेतु किसी को इसके लिये भुगतान करना पड़ सकता है। यह कई क्षेत्रों जैसे- नगर पालिका, बिजली, राहत कोष के वितरण आदि में देखा जा सकता है।

2.उचित न्याय का अभावः न्याय प्रणाली में भ्रष्टाचार अनुचित न्याय की ओर ले जाता है जिसका खामियाजा पीड़ित लोगों को भुगतना पड़ सकता है। सबूतों की कमी या यहाँ तक कि मिटाए गए सबूतों के कारण किसी अपराध में संदेह का लाभ उठाया जा सकता है।

3.खराब स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थितिः भ्रष्टाचार वाले देशों में लोगों के बीच अधिक स्वास्थ्य समस्याएँ देखी जा सकती हैं। इन देशों में स्वच्छ पेयजल, उचित सड़कें, गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न आपूर्ति, दूध में मिलावट आदि जैसी कमियाँ पाई जाती हैं। इन निम्न-गुणवत्ता वाली सेवाओं का कारण इसमें शामिल ठेकेदारों और अधिकारियों द्वारा अनुचित तरीके से धन अर्जित करना है।

4.वास्तिविक अनुसंधान की विफलता: परियोजना में अनुसंधान हेतु सरकारी धन की आवश्यकता होती है और कुछ एजेंसियों में भ्रष्ट अधिकारियों की वजह से वित्तपोषण में समस्या आती है। ये लोग अनुसंधान के लिये उन जाँचकर्ताओं को धनराशि स्वीकृत करते हैं जो उन्हें रिश्वत देने लिये तैयार हैं।

#### समाज पर प्रभावः

- 1.अधिकारियों की अवहेलना: भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी के बारे में नकारात्मक बातें कर लोग उसकी अवहेलना करने लगते हैं। अवहेलना के कारण अधिकारी के प्रति अविश्वास पैदा होता है और परिणामस्वरूप निम्न श्रेणी के अधिकारी भी उच्च श्रेणी के अधिकारियों का अनादर करेगा, इसी क्रम में वह भी उसके आदेशों का पालन नहीं करता है।
- 2.प्रशासकों के प्रति सम्मान की कमी: राष्ट्र के प्रशासक जैसे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री के प्रति जनता के सम्मान में कमी आती है। सामाजिक जीवन में सम्मान मुख्य मानदंड है।
- 3.सरकारों के प्रति विश्वास की कमी: जनता अपने जीवन स्तर में सुधार और नेता के सम्मान की इच्छा के साथ चुनाव के दौरान मतदान के लिये जाते हैं। यदि राजनेता भ्रष्टाचार में लिप्त है, तो वह लोगों का विश्वास खो देगा और वे ऐसे नेताओं का निर्वाचित नहीं करेंगे।
- 4.भ्रष्टाचार से जुड़े पदों में शामिल होने से परहेज: ईमानदार और मेहनती लोग भ्रष्ट समझे जाने वाले विशेष पदों के प्रति घृणा करने लगते हैं।

#### • अर्थव्यवस्था पर प्रभावः

1.विदेशी निवेश में कमी: सरकारी निकायों में भ्रष्टाचार के कारण कई विदेशी निवेशक विकासशील देशों में निवेश करने से कतराते हैं।

2.विकास में देरी: एक अधिकारी जिसे परियोजनाओं या उद्योगों के लिये मंज़ूरी प्रदान करनी होती है, वह धनार्जन और अन्य गैरकानूनी ढंग से लाभ कमाने के उद्देश्य से जान-बूझ कर इस प्रक्रिया में देरी करता है। इससे निवेश, उद्योगों की शुरुआत और विकास की गति धीमी हो जाती है।

3.विकास का अभाव: किसी विशेष क्षेत्र में नए उद्योग शुरू करने के इच्छुक कई व्यक्ति क्षेत्र के अनुपयुक्त होने पर अपनी योजनाओं को बदल देते हैं। यदि उचित सड़क, पानी और बिजली की व्यवस्था नहीं है, तो ऐसे क्षेत्र में कंपनियां नए उद्योग स्थापित नहीं करना चाहती हैं, जो उस क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में बाधा डालती हैं।



The Corruption Perceptions Index (CPI), Transparency International

- भारत में भ्रष्टाचार से लड़ने को कानुनी और नियामक ढाँचे:
- कानूनी ढाँचाः
- 1.भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (Prevention of Corruption Act), 1988 में लोक सेवकों द्वारा किये जाने वाले भ्रष्टाचार के साथ ही भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में शामिल लोगों के लिये दंड का प्रावधान है।
- (i) वर्ष 2018 में इस अधिनियम में संशोधन किया गया, जिसके अंतर्गत रिश्वत लेने और रिश्वत देने को अपराध की श्रेणी के तहत रखा गया।
- 2.धन शोधन निवारण अधिनियम (Prevention of Money Laundering Act),2002 का उद्देश्य भारत में धन शोधन (Money Laundering) के मामलों को रोकना और आपराधिक आय के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है।
- 3.कंपनी अधिनियम (The Companies Act),2013 कॉपोरेट क्षेत्र को स्वनियमन का अवसर देकर इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की रोकथाम करता है। 'धोखाधड़ी' शब्द की एक व्यापक परिभाषा है, इसे कंपनी अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय (Criminal) अपराध माना गया है।
- 4.बेनामी लेन-देन (निषेध) अधिनियम,1988 उस व्यक्ति के दावे प्रतिबंधित करता है जिसने किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर संपत्ति अर्जित की है।

#### • नियामक ढाँचा:

- 1.**लोकपाल तथा लोकायुक्त अधिनियम, 2013** ने संघ (केंद्र) के लिये लोकपाल और राज्यों के लिये लोकायुक्त संस्था की व्यवस्था की है।
- (i) ये "लोकपाल तथा लोकायुक्त" कुछ निश्चित श्रेणी के सरकारी अधिकारियों के विरुद्ध लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जाँच करते हैं।
- 2.**केंद्रीय सतर्कता आयोग:** इसका कार्य प्रशासन की निगरानी करना और भ्रष्टाचार से संबंधित मामलों में कार्यपालिका को सलाह देना एवं मार्गदर्शन करना है।

#### ❖ भ्रष्टाचार से निपटने हेतु दूसरे ARC की सिफारिशें:

### "देश के विकास हेतु जागरूकता को बढाना है, सबको मिलकर भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाना है।"

भारत में एक सलाहकार निकाय, द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (द्वितीय ARC) ने भ्रष्टाचार के मुद्दे को संबोधित करने और सार्वजनिक प्रशासन की अखंडता तथा दक्षता में सुधार के लिये कई व्यापक सिफारिशें कीं। इन सिफारिशों का उद्देश्य भ्रष्टाचार को रोकना एवं सरकारी कार्यों में पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ाना है। द्वितीय ARC द्वारा की गई कुछ प्रमुख सिफारिशें निम्नलिखित हैं:

- भ्रष्टाचार विरोधी उपायों को मज़बूत बनाना:
  - 1. व्हिसलब्लोअर संरक्षण अधिनियम, 2014: दूसरे ARC ने व्हिसलब्लोअर्स के लिये सुरक्षा और प्रोत्साहन बढ़ाने हेतु व्हिसलब्लोअर संरक्षण अधिनियम में संशोधन की सिफारिश की। इसमें उन्हें उत्पीडन से बचाना तथा वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करना शामिल है।
  - 2. केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC): दूसरे ARC ने CVC को अधिक स्वतंत्रता, संसाधन और अधिकार देकर भ्रष्टाचार को रोकने तथा मुकाबला करने में उसकी भूमिका को मज़बूत करने की सिफारिश की।
  - 3. केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI): आयोग ने भ्रष्टाचार के मामलों से निपटने में CBI की स्वायत्तता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिये उपाय सुझाए।
- विवेकाधिकार को कम करना:
  - **1.मानक संचालन प्रक्रियाएँ (SOP):** द्वितीय ARC ने अधिकारियों की विवेकाधिकार शक्तियों को कम करने के लिये सरकारी प्रक्रियाओं और सेवाओं हेतु स्पष्ट SOP के विकास की सिफारिश की। इससे भ्रष्टाचार एवं मनमाने निर्णय लेने की गुंजाइश कम हो जाती है।

2.प्रौद्योगिकी का उपयोग: प्रौद्योगिकी और ई-गवर्नेंस का लाभ उठाकर सरकारी लेन-देन में मानवीय हस्तक्षेप और विवेकाधिकार को कम किया जा सकता है। आयोग ने भ्रष्टाचार के अवसरों को कम करने के लिये इलेक्ट्रॉनिक तरीकों को अपनाने को प्रोत्साहित किया।

#### • पुलिस सुधार:

- 1.पुलिस की जवाबदेही: आयोग ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों की अखंडता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिये व्यापक पुलिस सुधारों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसमें पुलिस बल में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा व्यावसायिकता बढाने के उपाय शामिल हैं।
- 2.सामुदायिक पुलिसिंग: सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने से पुलिस और जनता के बीच विश्वास पैदा हो सकता है, जिससे भ्रष्टाचार तथा सत्ता के दुरुपयोग के मामलों में कमी आएगी।

#### • नैतिक शासन को बढावा देना:

- 1.आचार संहिता: आयोग ने नैतिक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिये सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिये एक आचार संहिता के विकास की सिफारिश की।
- 2.सिटीज़न चार्टर: सरकारी विभागों को सिटीज़न चार्टर अपनाने के लिये प्रोत्साहित करने से जवाबदेही बढ़ सकती है और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार हो सकता है।

#### जन जागरूकता अभियान:

 मीडिया और शिक्षा: आयोग ने भ्रष्टाचार के हानिकारक प्रभावों तथा नैतिक आचरण के महत्त्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिये मीडिया और शैक्षणिक संस्थानों का उपयोग करने का सुझाव दिया।

#### • संसदीय निरीक्षण को सुदृढ़ बनाना:

संसदीय समितियाँ: सरकारी संचालन और व्यय की जाँच में संसदीय समितियों की भूमिका को
 मज़बूत करने से भ्रष्टाचार का पता लगाने तथा उसे रोकने में मदद मिल सकती है।

#### ई-गवर्नेंस और डिजिटलीकरण:

 डिजिटल परिवर्तन: द्वितीय ARC ने मानवीय हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के अवसरों को कम करने के लिये सरकारी प्रक्रियाओं के व्यापक डिजिटल परिवर्तन की सिफारिश की।

यद्पि भारत समग्र रुप से निरंतर उस ओर बढ रहा है,जहाँ भ्रष्टाचार अर्थात् भ्रष्ट, अनुचित, अनैतिक आचरण ,प्रसाशनिक व्यवस्था और नागरिकों के माइंडसेट से निकल जाए । ईमानदारी, पारदर्शी व्यवहार, जवाबदेहिता, स्वार्थ मुक्त व्यवहार प्रशासनिक मशीनरी के मूल मे समाहित हो सके। "संकल्प से सिद्धी तक" जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रम इसका ताजा उदाहरण है।

बहरहाल! भारतीय राष्ट्र विभिन्न शैलियों, निरंतर परिवर्तित होते सांस्कृतिक आदर्शों, आधुनिक एवं पुरातन पद्धियों के समागम एवं विभिन्न विचारधाराओं को आश्रय देने वाला राष्ट्र है। इतने विस्सृत स्पेक्ट्रम का भ्रष्टाचार से मुक्ति का लक्ष्य निसंदेह बहुत बडा है। परंतु, भूतकाल में किए गए प्रयास और वर्तमान में चल रहे प्रयास निश्चित ही भविष्य में भारत को भ्रष्टाचार मुक्त - विकसित भारत बनाने में कारकर साबित होगे । जिससे हमारा भारत न केवल एक विकसित राष्ट्र बनेगा अपितु पुनः विश्वगुरु भी बनेगा।

"अरुण यह मधुमय देश हमारा ! जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा । सरस तामरस गर्भ विभा पर नाच रही तरुशिखा मनोहर, छिटका जीवन हरियाली पर मंगल कुंकुम सारा । अरुण मधुमय देश हमारा ।"



#### ए. शिवम्

नभ को निहारते हुए एक रात, मैं चला गया काल में पीछे, न जाने अतीत की वो कौन सी डोर, थी अपनी ओर मुझको खींचे।

खुल रही किताबों सी थी, आज मन में बहुत सी फिर यादें, कानों में मेरे लगे गूंजने, कुछ अनकहे शब्द, कुछ बिन बोली बातें।।

इस दुनिया में सब के मन में, एक कुरुक्षेत्र सा बसता है, खुद ही पांडव, कौरव खुद ही, एकमात्र युद्ध ही रस्ता है। मन के उन दोनों खेमों से, जब बाण बरसते रहते हैं, बस यही भाव है वह जिस को, अंतर्द्वंद हम कहते हैं।।

कुछ रिश्तों की, कुछ नातों की, कुछ हम सब के जज़्बातों की, कुछ मात - पिता के संघर्ष भरे, मुश्किल जीवन हालातों की। कुछ लम्हों का हम जीवन भर, एक बोझ सा ढोते रहते हैं, कहकर हालात बदल जाते, हम मौन जहां पर रहते हैं।।

अपनी ही स्याही से सब यहाँ पर मुझको रंगना चाहते हैं, उनके साँचे में ढल जाऊँ बस, मेरा ढंग न चाहते हैं। "तुम इधर चलो", "तुम वहाँ रुको", "अब यहाँ झुको अब वहाँ झुको",

"हद है यहीं तक तुम्हारी, आगे नहीं जाओ, यहीं रुको " ।।

कहना था मुझ को कुछ उस दिन, सामाजिकता ने टोक दिया, माता -पिता के मुझ में रोपे संस्कारों ने रोक लिया।

### अंतर्द्वंद

सपनों में बोल ही दी मैनें, करके कुछ उनसे मुलाकातें, प्रत्यक्ष न फिर से कह पाया, कुछ अनकहे शब्द, कुछ बिन बोली बातें ।।

पर समय की ऐसी है खूबी, ना लौट के फिर से आता है, वह खाली हाथ नहीं जाता, कुछ पाठ सिखा कर जाता है। क्यों कहा नहीं यह सोचता हूँ, क्यों मन ही मन मे दबा लिया, खुद को इस बात पे कोस्ता हूँ, क्यों मैंने उन का कहा किया।।

माना कि मेरे शब्दों से कुछ ठेस सी उन को लग जाती, अहंकार को उनके मेरी बातें बाण सी छल जाती। अच्छा होता गर कह देता, मन का कुछ भार उतर जाता, अंतर्द्वंद के भवसागर के, मैं उस पार उतर जाता।।

है काल चक्र का यह पहिया, कुछ नहीं धरा पर ठहरा है, होती है नई सुबह फिर से, कहाँ पसर सका अंधेरा है । उन्मुक्त गगन का मैं पंछी, मुझे तूफ़ानों ने पकड़ा है, समाज ने अपने नाग-पाश में, मुझे इस तरह से जकड़ा है ।।

डालूँगा तोड़ ये जंजीरें, अपने मन को समझाऊँगा, अंतर्द्वंद की इस अग्नि को पार मैं कर ही जाऊंगा। वादा है मेरा अब खुद से, यदि आई फिर वो हालतें, मैं मौन तोड़ कह डालूँगा, अनकहे शब्द और वो बातें।।



### प्रबल इच्छाशक्ति

अंकिता पटेल

मीरा की भक्ति हो, या हनुमान की शक्ति हो। महत्त्वकांक्षी उक्ति हो, या बहुतायत सम्पत्ति हो। कुछ भी संभव है तभी, जब प्रबल इच्छाशक्ति हो।।

- 1) असंभव को संभव बनाने की अतुल्य मिहमा, विफलता को सफलता में बदलने का किरश्मा, जो देता है हमारे बुलंद हौसलों को उड़ान, ऐसा है प्रबल इच्छाशक्ति का वरदान।
- 2) जिसमे हो क्षमता करने की दूषित को पुनीत, जब ना हो कोई दुष्कर चुनौतियों से भयभीत, जल कि धारा जैसे काट देती है विशाल चट्टान, यही है प्रबल इच्छाशक्ति की पहचान।
- 3) रंक को राजा बना सिंहासन पर बिठाया, दुर्बल को सबल कर समर्थन और साहस दिलाया, निर्धन को भी जो बना सकता है धनवान, ऐसा है प्रबल इच्छाशक्ति का वरदान।
- 4) भीष्म पितामह सचेत रहे शरशैय्या पर द्विमास, प्रतिकूल परिस्थितियों मे श्री राम ने जैसे काटा था वनवास, जब अप्सरा भी न कर पाए भंग ऋषि मुनियों का ध्यान, यही है प्रबल इच्छाशक्ति की पहचान।
  - 5) भारत को पराधीनता से स्वतंत्र कराया, हिमालय की चोटी पर तिरंगा फहराया, जाड़ों मे भी सरहद पर डटा रहे जवान, ऐसा है प्रबल इच्छाशक्ति का वरदान ।

- 6) बिन मौसम खेतों में फसले उपजा दे, बंजर ज़मीन को भी उर्वर बना दे, धूप हो या हो वर्षा ,खिलहानों मे तत्पर है किसान , यही है प्रबल इच्छाशक्ति की पहचान ।
- 7) स्वस्थ तन, अचल मन के लिए योग हो या व्यायाम, बढ़ाए जीवनशैली मे सकारात्मकता के आयाम, श्रमसाध्य कार्य की भी जो मिटा दे चुटिकयों में थकान, ऐसा है प्रबल इच्छाशक्ति का वरदान।
  - हारीरिक कष्ट भी न कर पाए व्याकुल, गृहातुर को भी न कर पाए आकुल, रणभूमि मे टिका रहे योद्धा, होकर लहूलुहान यही है प्रबल इच्छाशक्ति की पहचान।
  - 9) उड़ा दे जो जीवन से दरिद्रता की हर धूल मिटा सकता है जो राहों के सारे शूल अज्ञानी को भी जो बना सकता है विद्वान ऐसा है प्रबल इच्छाशक्ति का वरदान।
  - 10) कामयाबी की हर सीढ़ी चढ़ा दे राह मुश्किल ही सही मंजिल से मिला दे दढ़-संकल्प से हासिल हो सकता है हर मुकाम यही है प्रबल इच्छाशक्ति की पहचान ।
- 11) पुराणों से वैज्ञानिक आविष्कारों की डगर, चंद्रयान से गगनयान की राह का सफर, अंततः शिवशक्ति तक पहुँच ही गए अपने विक्रम ओर प्रज्ञान ऐसा है प्रबल इच्छाशक्ति का वरदान।



### वक्त कुछ सिखला रहा

#### आँचल साहू

मौन साधे जो खड़ा है लड़खड़ा सा रहा है बीतता बस जा रहा है जाने कैसा माजरा है अश्क थामें हर नयन है होंट भी पर खिल रहे हैं टूटता बस जा रहा है कुछ ना कुछ सिखला रहा है कल कभी जो था किसी का आज वो मेरा हुआ है कल वो फिर होगा किसी का वक्त कब किसका हुआ है

घड़ी- घड़ी देखो चयन है मुष्ठिका में बंद वहम है खोलना तो चाह रहा है खोल नहीं पा रहा है वक्त से भी लड़ रहा है और लड़ता जा रहा है जीत में अब विघ्न है जो वक्त जीता जा रहा है हस्त की जो है लकीरें हर पहर बदल रही है सिलसिला है ये अनोखा सिर्फ बीता जा रहा है

कार्य क्या है? कर्म क्या है? कौन? कहा? कुछ? सिखला रहा है दंड है ये दोष है ये ये जहां बस, बतला रहा है मुस्कुराने में ना जाने जाने कैसा माजरा है तीव्र है जो, तेज़ है जो वहीं तो जीत पा रहा है वक़्त था ये, वक़्त है ये और बीता जा रहा है सीख लो सिखला रहा है वक्त कुछ बतला रहा है वक्त कुछ सिखला रहा है

### पी.आर.एल. परिवार

सौजन्य: सेंथिल बाबु टी. जे.

## नए शामिल कर्मचारियों की सूची

क्र.स.	नाम	पदनाम	शामिल होने की तिथि
1	श्री दौलत सिंह राठौड़	हल्के वाहन चालक-A	06.09.2023
2	श्री मोदी भाविककुमार ललितकुमार	हल्के वाहन चालक-A	22.09.2023
3	श्री रवि सेवक	वरिष्ठ सहायक	01.08.2023
4	श्री मानयश जैन	वैज्ञानिक/इंजीनियर-एस.सी.	26.09.2023
5	श्री विभोर अग्रवाल	वैज्ञानिक/इंजीनियर-एस.सी.	26.09.2023
6	श्री चर्चिल द्विवेदी	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.सी.	26.09.2023
7	श्री धीरजकुमार खोंडे	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.सी.	26.09.2023
8	श्री सोलंकी स्टीवन अलोइस	क्रय एवं भंडार अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर)	04.10.2023
9	श्रीमती अखिला पी.एन.	लेखा अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर)	04.10.2023
10	श्री कृष्ण धनुंजयचारी	लेखा अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर)	16.10.2023
11	श्री संदीप पी.एस.	क्रय एवं भंडार अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर)	01.11.2023

# सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सूची

क्र.स.	नाम	पदनाम	सेनानिवृत्त होने की तिथि
1	श्री राजेशकुमार रमणलाल शाह	वैज्ञानिक/इंजीनियर-एस.जी.	31.08.2023
2	श्री संदीप हसमुख दोशी	तकनीकी अधिकारी-डी.	30.09.2023

### त्यागपत्र देने वालों की सूची

क्र.स	नाम	पदनाम	त्यागपत्र देने की तिथि
1	सुश्री प्राची विनोद प्रजापति	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.डी.	11.08.2023
2	श्री वैभव दीक्षित	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.ई.	25.08.2023

## दिवंगत कर्मचारियों की सूची

क्र.स.	नाम	पदनाम	मृत्यु की तिथि
1	स्वर्गीय श्री वी.एच. चावड़ा	तकनीशियन-G	16.08.2023

# दिवंगत सेवानिवृत्त लोगों की सूची

क्र.स	नाम	पदनाम	मृत्यु की तिथि
1	स्वर्गीय श्री के.एस. लाली	इंजीनियर- एस.ई.	22.10.2023
2	स्वर्गीय श्री जे.एल. थापा	ट्रेडसमैन-E	15.12.2023

### विक्रम संपादक मंडल



**संरक्षक** डॉ. अनिल भारद्वाज



**संपादक** डॉ. सोम कुमार शर्मा



**सह संपादक** श्री जिगर ए. रावल



**सदस्य** डॉ. भूषित वैष्णव



**सदस्य** डॉ. ऋशितोष कुमार सिन्हा



**सदस्य** श्रीमती रुमकी दत्ता



**सदस्य** डॉ. नरेन्द्र ओझा



**सदस्य** श्री तेजस सरवैया



**सदस्य** डॉ. गिरजेश आर. गुप्ता



**सदस्य** श्री विवेक कुमार मिश्रा



**सदस्य** श्रीमती प्रीति पोद्दार



**सदस्य** श्री आशीष जी सवडकर



सहयोजित सदस्य श्री अभिषेक



**सहयोजित सदस्य** श्रीमती हर्षाबेन परमार



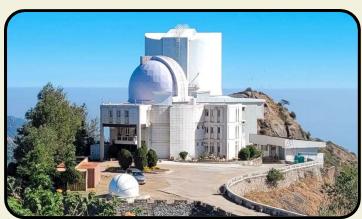
**सहयोजित सदस्य** सुश्री सोनम जीतरवाल

अनुत्तरदायित्वता: पी.आर.एल. द्वारा प्रकाशित विक्रम पत्रिका के लेख, वक्तव्य, विचार एवं प्रस्तुत सामग्री लेखकों द्वारा प्रदान की गई है और इन सभी की वैधता एवं सत्त्वाधिकार (कॉपीराइट) से संबंधित वैधिक एवं अन्य उत्तरदायित्व लेखकों का है। किसी भी प्रकार के विवाद या वैधिक स्थिति के उल्लंघन में पी.आर.एल. एवं संपादक मंडल उत्तरदायी नहीं होंगे।

आप इस पत्रिका में मुद्रित सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। कृपया सौजन्य का उल्लेख अवश्य करें।



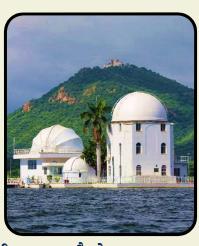
पी.आर.एल. मुख्य परिसर, अहमदाबाद



पी.आर.एल. अवरक्त वेधशाला, गुरुशिखर, माउंट आबू



पी.आर.एल. थलतेज परिसर, अहमदाबाद



पी.आर.एल. सौर वेधशाला, उदयपुर

#### भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला

(भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग की यूनिट) नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009

दूरभाष: (079) 26314000 फैक्स: (079) 26314900 ई - मेल: director@prl.res.in

https://www.prl.res.in



website-hindi



website-english

#### **Physical Research Laboratory**

(A unit of Dept. of Space, Govt. of India) Navrangpura, Ahmedabad - 380009

Phone: (079) 26314000 Fax: (079) 26314900

E-Mail: director@prl.res.in https://www.prl.res.in

f https://

https://www.facebook.com/PhysicalResearch Laboratory



You Tibe https://www.youtube.com/c/PRLAhmedabad\_webinars



https://www.kooapp.com/profile/prlahmedabad https://www.linkedin.com/in/prl-ahmedabad-89600122b/ https://www.instagram.com/prl1947/

prl-contact